सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया..... -पेज: 7

पर्दे पर 'मां का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 82 | सोमवार 30 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

'आपातकाल के दौरान भारत में लोकतंत्र की हत्या हुई थी 'मन की बात' के 123वें एपिसोड में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 123वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। इस एपिसोड की शुरूआत उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की चर्चा से की और कार्यक्रम के अंत तक कई विषयों पर अपने विचार साझा किए और इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी बोले, 'इमरजेंसी लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे लोकतंत्र की हत्या की, बल्कि न्यायपालिका को भी अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश की। उस दौर में देशभर में लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। इसके ऐसे कई उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।' योग दिवस की भव्यता पर पीएम मोदी का जोर प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष भी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरी दुनिया में बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। उन्होंने याद दिलाया कि यह सिलसिला 10 साल पहले शुरू हुआ था और अब हर साल यह आयोजन पहले से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 123वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। इस एपिसोड की शुरूआत उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की चर्चा से की और कार्यक्रम के अंत तक कई विषयों पर अपने विचार...

ज्यादा भव्य और प्रभावशाली होता जा रहा है। पीएम ने यह भी कहा कि, 'यह इस बात का संकेत है कि योग को अब अधिक लोग अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।' इस बार की योग थीमः 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' पीएम मोदी ने इस बार की थीम डल्ली को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाने वाला एक वैश्विक संदेश है। देश और दुनिया से आईं योग दिवस की प्रेरणादायक झलकियां प्रधानमंत्री ने योग दिवस पर देश-विदेश में हुए आयोजन की कई खास तस्वीरों और प्रयासों का ज़िक्र करते हुए बोलेः हिमालय की बर्फीली चोटियों पर ITBP के जवानों ने योग किया। गुजरात के वडनगर में (इक्कीस सौ इक्कीस) 2121 लोगों ने एक साथ भुजंगासन कर नया रिकॉर्ड बनाया। न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो और पेरिस जैसे शहरों से योग की तस्वीरें आईं जिनमें शांति और स्थिरता की झलक दिखी। भारतीय नौसेना के जहाजों पर भी योग किया गया। तेलंगाना में 3000 दिव्यांगजनों ने सामूहिक रूप से योग कर सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया। दिल्ली में लोगों ने स्वच्छ यमुना का संकल्प लेते हुए यमुना तट पर योग किया। जम्मू-कश्मीर के चिनाब ब्रिज (दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल) पर भी योग आयोजन हुआ। विशाखापत्तनम में तीन लाख लोगों ने समुद्र तट पर एक साथ योग किया। वहीं, 2000 से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक 108 बार सूर्य नमस्कार कर अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया। तीर्थयात्राएंः श्रद्धा और सेवा का संगम पीएम मोदी ने धार्मिक यात्राओं की बात करते हुए कहा, "जब कोई व्यक्ति तीर्थयात्रा पर निकलता है तो उसके मन में पहला भाव आता है- 'चलो, बुलावा आया है।' यही भावना हमारी आस्था का आधार है।" पीएम ने बताया कि तीर्थयात्राएं केवल प्रभु से जुड़ने का ही माध्यम नहीं, बल्कि यह सेवा, अनुशासन और आपसी भाईचारे का भी पर्व होती हैं। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि देशभर में लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं और यह 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती देती है।

कलम वाले नहीं, ये सब कट्टा वाले लोग हैं प्रशांत किशोर का तेजस्वी यादव पर तीखा हमला

बिहार (एजेंसी): जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव कलम वाले लोग नहीं हैं, ये सब कट्टा वाले लोग हैं। तेजस्वी यादव का कलम बांटना वैसा ही है जैसे... प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव का कलम बांटना वैसा ही है जैसे जंगल में शेर दूध बांटने लगे। यदि जंगल में शेर दूध बांटता है तो इसका मतलब है कि वो दूध दिखाकर आपका शिकार करने वाला है। उसी तरह तेजस्वी यादव कलम दिखाकर बिहार की जनता को बर्बाद करने वाले हैं। तेजस्वी यादव कलम वाले लोग नहीं हैं, ये सब कट्टा वाले लोग हैं। वहीं, जनसुराज के सूत्रधार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले नीतीश कुमार झूठा नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं।

प्रशांत किशोर का नीतीश कुमार पर तीखा हमला बता दें कि किशोर ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगसराय स्थित श्री सुखदेव हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री झूठा नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं, लेकिन अब बिहार की जनता बदलाव चाहती है, अफसरों के राज से मुक्ति चाहती है।

'वो 88 घंटे बयां करते हैं पाकिस्तान के नुकसान की कहानी', एयर मार्शल ने बताया- पड़ोसी देश को क्यों करना पड़ा सरेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी): एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया गया और संघर्ष के वे 88 घंटे इसके बारे में बहुत कुछ बताते हैं क्योंकि "कोई भी स्वाभिमानी राष्ट्र या सशस्त्र बल इतने कम समय में आत्मसमर्पण नहीं करेगा"। यहां आयोजित एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में एकीकृत रक्षा स्टाफ (सीआइएससी) के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण "पटरी पर" है। पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के उत्पादन को मिली मंजूरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में भारत के महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट - उन्नत मध्यम लड़ाकू

विमान (एएमसीए) के डिजाइन और उत्पादन को मंजूरी दी है। चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 स्टेल्थ जेट विमानों की आपूर्ति संबंधी रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, "हमें इस खबर की जानकारी है और हम इस पर करीबी नजर रख रहे हैं। सेना के एकीकरण के प्रयास बहुत पहले हुए थे शुरू तीनों सेनाओं के अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया है कि भारतीय सेना को पाकिस्तानी सेना द्वारा विकसित की जा रही क्षमताओं के खिलाफ "रक्षा और आक्रमण" का निर्माण करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना के एकीकरण से संबंधित कारकों के बारे में पूछे जाने पर एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि सेना के एकीकरण और समन्वय के प्रयास 1999 के कारगिल युद्ध के बाद ही शुरू हो गए थे। इसके बाद हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (एचक्यू आइडीएस) की स्थापना की गई जिसका मुख्य काम एकीकरण एवं समन्वय बनाना था। उन्होंने कहा, "यह आपरेशन इतने लंबे समय के प्रयासों का परिणाम था और हमें संतुष्टि देता है कि हम जो कुछ भी कर रहे हैं, सही तरीके से कर रहे हैं।" उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कहा, "लक्ष्यों का चयन, खुफिया योजना, संयुक्त योजना, समन्वय, सब कुछ बहुत अच्छे से हुआ।" यह ऑपरेशन पहलगाम हमले के जवाब में सात मई को शुरू किया गया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए गए।

दिल्ली में बंद होगी मुफ्त बिजली की योजना? अरविंद केजरीवाल ने किया दावा; भाजपा ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली की बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम रेखा गुप्ता पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम अच्छी खासी दिल्ली छोड़कर गए थे, 24 घंटे बिजली आती थी, इनकी सरकार में 6-7 घंटे के पॉवर कट लगते हैं। अब ये कह रहे हैं कि एक साल रुक जाओ, दिल्लीवालों की मुफ्त बिजली भी बंद कर देंगे। दिल्ली में तोड़ी जा रही झुग्गियों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हल्ला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है। इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा

झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे। मैं बीजेपी को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो। अगर झुग्गियां तोड़ना बंद नहीं किया तो तुम्हारा सिंहासन डोलने में वक्त नहीं लगेगा। गरीबों का घर और रोजगार दोनों छीन लियाः केजरीवाल उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुग्गियां तोड़ देंगे। इन्होंने 2-3 महीनों में झुग्गियां तोड़कर आपके सिर से छत छीन ली है। इन्होंने गरीबों का घर और रोजगार दोनों छीन लिया है। उन्होंने कहा कि ये केवल लूटने का काम करते हैं। दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं, अगर ये इकट्ठे हो गए तो किसी की औकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए। झुग्गीवासियों के नाम पर बुलाई जनसभा पूरी तरह फ्लॉपः केजरीवाल दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप की झुग्गीवासियों के नाम पर बुलाई जनसभा पूरी तरह फ्लॉप रही और जब आप नेता बोले तो एक बार फिर उनका अराजक, असंवैधानिक रूप देखने को मिला। पूरी पार्टी बीते एक महीने से बीजेपी पर झूठा आरोप लगा रही है। वह घड़ियाली आंसू बहा रही है। केजरीवाल को बताना चाहिए कि वह अपने कार्यकाल में कितने झुग्गी वालों को मकान बनाकर दिए हैं। अब जब हम लोगों को मकान दे रहे हैं तो उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है।

भाजपा राज में भाजपा जैसा ही खाद का हाल: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी): समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा राज में भाजपा जैसा ही खाद का हाल हो गया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि मुझे लग रहा है कि सपा प्रमुख को खाद को लेकर सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई से पीड़ा है। यादव ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में शायराना अंदाज में कहा है चमचम बोरी नकली माल, भाजपा जैसा खाद का हाल, भाजपा राज में। यादव ने इसी पोस्ट में दो मिनट 23 सेकंड का खबर का एक वीडियो साझा किया जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी बोरियों में नकली खाद की बिक्री की जानकारी दी गई

है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने सपा प्रमुख के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, सपा मुखिया अखिलेश जी की परेशानी का कारण योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार की भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश की नीति है। उन्होंने कहा, जब भी अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, सपा मुखिया परेशान हो जाते हैं। श्रीवास्तव ने कहा, अभी चंद दिन पहले ही योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निर्देश पर कई खाद विक्रेताओं की जांच की गई थी, कई के खिलाफ कार्रवाई हुई और सीतापुर जिले के कृषि अधिकारी निलंबित भी किए गए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया, मुझे लगता है कृषि मंत्री शाही द्वारा जिलो में फर्टिलाइजर को लेकर की जा रही जांच और कार्रवाई से अखिलेश जी पीड़ा में हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा भगदड़ मामलें में सरकार का बड़ा एक्शन, डीएम और एसपी का किया ट्रांसफर, डीसीपी और कमांडेंट निलंबित

ओडिशा (एजेंसी): पुरी रथयात्रा के दौरान मची भगदड़ के बाद ओडिशा सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। इस घटना में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में डीसीपी विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने विकास आयुक्त की निगरानी में एक विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं। सरकारी आदेश के अनुसार, चंचल राणा को पुरी का नया जिलाधिकारी, और पिनाक मिश्रा को नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। सरकार का यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा और जवाबदेही तय की

जाएगी। मुख्यमंत्री ने मांगी माफी ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हादसे पर दुख जताते हुए प्रत्येक मृतक श्रद्धालु के परिवार को ₹25 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने विकास आयुक्त की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर ओड़िया भाषा में श्रद्धालुओं से माफी मांगते हुए लिखा, "मैं और मेरी सरकार सभी श्रद्धालुओं से क्षमा याचना करते हैं। हम मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति दें।" उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सुरक्षा चूक की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी और डीएम की प्रतिक्रिया घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा के डीजीपी वाई.बी. खुरानिया ने बताया, "इस बार रथयात्रा में पिछली बार की तुलना में अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। घटना की जांच जारी है और सभी तथ्य जल्द सामने आ जाएंगे।" वहीं, पूर्व जिलाधिकारी सिद्धार्थ स्वैन ने जानकारी दी कि "सुबह 4:20 से 5:40 बजे के बीच 15 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 12 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जबकि तीन लोगों की मौत हुई, जिनके शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।" स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद अग्रवाल को रथयात्रा की समग्र निगरानी का जिम्मा सौंपा है।

शशि थरूर ने डोनाल्ड ट्रंप के दावे को किया खारिज, कहा भारत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी

अहमदाबाद (एजेंसी): कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को खत्म करवाने में अहम भूमिका निभाई थी। थरूर ने साफ कहा कि भारत को युद्ध रोकने के लिए किसी की सलाह या दबाव की जरूरत नहीं थी, लेकिन शायद पाकिस्तान को अमेरिका की सलाह की जरूरत पड़ी हो। अहमदाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए शशि थरूर ने कहाः भारत ने पहले दिन से ही यह स्पष्ट कर दिया था कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी कार्यवाही सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ थी। हमने सिर्फ आतंकी कैंप, ठिकाने और सुविधाओं को निशाना बनाया। उन्होंने आगे कहाः हमारा संदेश था अगर पाकिस्तान हमला करता है, तो हम जवाब देंगे। अगर वे रुकते हैं, तो हम भी रुक जाएंगे। हमें किसी के कहने की जरूरत नहीं थी। ऑपरेशन सिंदूर और भारत की नीति शशि थरूर ने बताया कि 7 मई को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने यह तय किया था कि अगर पाकिस्तान आगे संघर्ष नहीं बढ़ाएगा, तो भारत भी जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। यह ऑपरेशन पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए चलाया गया था।थरूर ने यह भी याद दिलाया

कि भारत सरकार का रुख शुरू से स्पष्ट था – लंबा युद्ध नहीं चाहिए, सिर्फ आतंकी कार्रवाई का जवाब देना था। ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया हाल ही में ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने ईरान और इजराइल के बीच युद्ध रोकवाने में भी अहम भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि जब भारत और पाकिस्तान के

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को खत्म करवाने में अहम भूमिका निभाई थी।

बीच संघर्ष बढ़ रहा था, तो उन्होंने न्यूक्लियर युद्ध टालने के लिए व्यापार और कूटनीति के जरिये पाकिस्तान पर दबाव बनाया और युद्ध रुकवाया। शशि थरूर ने इस दावे को नकारते हुए कहाः ट्रंप का क्या रोल था, ये ईरान और इजराइल खुद बताएं। लेकिन जहां तक भारत-पाकिस्तान का सवाल है, प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि भारत को किसी की जरूरत नहीं थी। शायद पाकिस्तान को अमेरिका की सलाह की जरूरत पड़ी हो। अगर पाकिस्तानी ऐसा सोचते हैं, तो उनके लिए ठीक है। क्या था ट्रंप का दावा? डोनाल्ड ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उनके कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को उन्होंने रोका। उन्होंने कहा था कि व्यापार वार्ता के जरिए उन्होंने पाकिस्तान को समझाया और दोनों देशों के बीच शांति सुनिश्चित की। हालांकि, भारत सरकार और विदेश मंत्रालय ने इन दावों को पहले ही पूरी तरह नकार दिया था। थरूर की भूमिका शशि थरूर उस भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे हैं जिसे केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंकवादी संबंधों को उजागर करने के लिए अमेरिका भेजा था। उन्होंने बार-बार कहा है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त है, लेकिन युद्ध नहीं चाहता।

संपादकीय

बहाल हो भरोसा

जम्मू-कश्मीर में प्रतिवर्ष होने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा अमरनाथ के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं में से केवल एक तिहाई ने यात्रा की पुष्टि की है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण कुल तीर्थयात्री पंजीकरण में बीते वर्ष की तुलना में 10 फीसद से अधिक की गिरावट देखी जा रही है। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के दौरान इस वर्ष तीन जुलाई से 9 अगस्त तक यह यात्रा चलेगी। सिन्हा ने बताया कि पहलगाम घटना से पहले पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था। जिसमें तकरीबन दो लाख छत्तीस हजार श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया था। इस हमले में 26 पर्यटकों के मारे जाने के बाद से समूचे जम्मू-कश्मीर विषेशकर घाटी जाने वालों में काफी गिरावट आई है। बीते साल अमरनाथ की यात्रा करने वालों की संख्या पांच लाख बारह हजार तक पहुंच गई थी। जो बीते दशक से भी ज्यादा समय में सबसे ज्यादा बताई गई। विश्वास किया जा रहा था कि सुरक्षा-व्यवस्था बढाए जाने के दावों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यात्रियों में भय कम हो सकता है। आर्तकियों द्वारा की गई जघन्य हत्या से लोगों में इस कदर भय है कि स्थानीय व्यापारियों व होटल वालों का कहना था कि गर्मियों में यहां दस/बीस फीसद पर्यटक आए, जिससे उनका सारा धंधा चौपट हो गया। अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा पहलगाम हमले से पहले पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों से दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया चालू की, जिसमें बस पिचासी हजार शिवभक्तों ने पंजीकरण की दोबारा पुष्टि की है। हालांकि लोग जल्द ही त्रासदियां भुला देते हैं। मगर सुरक्षा को लेकर लापरवाही यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाली हो सकती है। यूं भी तीर्थ स्थलों में उमड़ने वाली भीड़ और इसके कारण उपजी अव्यवस्था की खबरें आम हो चुकी हैं। यूं भी दुर्गम इलाकों और घाटियों को तमाम छानबीन के बावजूद पूर्णतः सुरक्षित रखने का दावा अतिउत्साह कहलाएगा। पहले कई दफा आर्तकवादी इस पवित्र यात्रा को निशाना बनाने की धमकियां भी देते रहे हैं। किसी भी आयोजन की सफलता उसका शांतिपूर्ण ढंग से निपट जाना है। बावजूद इसके कि श्रद्धालुओं को पल्रोभन देकर आमंत्रित किया जाए और उनकी जान जोखिम में डाली जाए।

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मेँ धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी में कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत में गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत में कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण को श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र में डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल में सोये थे तो किसी जंगल में जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम में भगवान श्री कृष्ण के पाँव में तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म में तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था।जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र में प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

राजा इंद्रद्युम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रद्युम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रद्युम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति।

विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी।

विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रद्युम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए। अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रद्युम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी ?मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल को अग्नि देवता ने कुछ नहीं किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन में दिल भी नदी में प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की।

इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है। ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। 108 घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा 15 दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। 3 रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, 12/4)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (15/1) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं।

– संजय गोस्वामी

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते।...

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जलविद्युत परियोजनाः हिमाचल में भूस्खलन का खतरा बढ़ा

पंकज चतुर्वेदी

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों मौत का सन्नाटा है। राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक तेज बरसात और जमीन खिसकने से कब्रिस्तान बना हुआ है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। कई जिलों विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है, सड़कें अवरुद्ध हो गई और यातायात बाधित हुआ। सेंज घाटी में 2000 से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं।

गंभीरता से देखें तो ये हालात भले ही आपदा से बने हों लेकिन इन आपदाओं को बुलाने में इंसान की भूमिका भी कम नहीं है। जब दुनिया भर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंग बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे तब हिमाचल की जलधाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगा कर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था। नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रही और इस बार मंडी में तबाही का भयावह मंजर सामने आ गया। ठीक यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है।

हिमाचल सरकार के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित अध्ययन 'लैंड़डस्लाइड हैजार्ड रिस्क असेसमेंट' ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में एक हजार मेगा वॉट की करचम और 300 मेगा वॉट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझना होगा कि 'वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है।

वैसे हिमाचल प्रदेश में पानी से बिजली बनाने का कार्य 120 सालों से हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊर्जा दोहन का कार्य इसके पूर्ण राज्य घोषित होने से पहले ही शुरू हो गया था। 1908 में चंबा में 0.10 मेगावॉट क्षमता की एक छोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण के कार्य से शुरू हुई थी। इसके बाद 1912 में औपचारिक रूप से शिमला जिले के चाबा में 1.75 मेगावॉट क्षमता का बिजली संयंत्र शुरू हुआ जिसे ब्रिटिश भारत की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था। इसका सफल परिचालन होने पर यहां और बिजली संयंत्र लगाने की संभावनाएं तलाशी जाने लगीं। इसी योजना के तहत मंडी जिले के जोगिन्द्र नगर में 48 मेगावॉट की बड़ी परियोजना का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो 1932 में पूरा हुआ। आज हिमाचल में 130 से अधिक छोटी-बड़ी बिजली परियोजनाएं चालू हैं जिनकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 10,800 मेगावॉट से अधिक है। सरकार का इरादा 2030 तक राज्य में 1000 से अधिक जलविद्युत परियोजनाएं लगाने का है जो कुल 22,000 मेगावॉट बिजली क्षमता की होगी।

कई शोधपत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की दिक्कतें आ रही हैं। पहली, इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, मिटटी का ढहना शामिल है। दूसरी दिक्कत जल भूवैज्ञानिक है जिसमें देखा गया कि झीलों और भूजल स्त्रोतों में जल स्तर कम हो रहा है। तीसरा नुकसान है-बिजली परियोजनाओं में नदियों के किनारों पर खुदाई और बह कर आए मलवे के जमा होने से वनों और चरागाहों में जलभराव बढ़ रहा है, और ऐसी परियोजनाओं का चौथा खतरा है सुरक्षा में कोताही के चलते हादसों की आशंका। इसलिए ऐसी परियोजनाओं से बचा जाना चाहिए जो कुदरत की अनमोल देन कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश को हादसों का प्रदेश बना दें।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है।

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन हो जाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीट्यूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता।

तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

रोटरी क्लब भरतियाग्राम के वार्षिकोत्सव में दोहराया समाजसेवा का संकल्प

प्रेसीडेंट सुनील दीक्षित ने दी 2025-26 के प्रेसीडेंट इलेक्ट देवेंद्र बंसल को शुभकामनाएं

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब भरतियाग्राम के वार्षिकोत्सव में समाजसेवा का संकल्प दोहराया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर धूम मचाई तो बड़ों ने चित्रकला एवं मनोरंजन के कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पुरस्कार पाकर सभी के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के अंत में क्लब ने बारिश के सीजन में घरों में आने वाली महिला मैड के लिए छतरी वितरित कीं। शनिवार की रात हाईवे किनारे स्थित एक होटल में रोटरी क्लब भरतियाग्राम का वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में यूनिट हेड एवं क्लब के पैट्रन विनोद झा, निदेशक जनसंपर्क एवं क्लब के प्रेसीडेंट सुनील दीक्षित, जुबिलेंट एग्री एंड क्यूमर प्रोडक्ट लिमिडेट के यूनिट हेड एवं 2025-26 के लिए प्रेसीडेंट इलेक्ट देवेंद्र बंसल, क्लब के सेक्रेटरी डा. सुजिंदर फोगाट एवं मंडी धनौरा से आए क्लब के सीनियर मेंबर शिव कुमार गोयल ने दीप प्रज्जवलित करके की। क्लब के अध्यक्ष सुनील दीक्षत ने क्लब द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बीच-बीच में बच्चों ने फिल्मी गीतों पर डांस कर खूब तालियां बटोरीं। वहीं क्लब के सेक्रेटरी डा.फोगाट के संचालन में कई मनोरंजक गेम्स एवं एक्ट भी हुए। प्रेसीडेंट इलेक्ट देवेंद्र बंसल ने भविष्य की कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वालों को प्रतीक चिन्ह एवं अन्य उपहार भी दिए गए। इस मौके पर रंजना झा अंजु रानी दीक्षित,सुनील सिंह, मनीश अग्रवाल, क्लब के सेक्रेटरी इलेक्ट विशाल गौरव अंशुमान पाराशर, अनुपम सिंह, ममता गुप्ता, अर्चना, वंदना सिंह, डा. सैयद बिलाल, डा. नितिन राय, सतेंद्र कुमार, प्रतीक माहेश्वरी आदि भी मौजूद रहे।

स्टेट योगासन चैम्पियनशिप में इन्दु, कनिका, सिमरन और आर्यान्शी ने जीते चार पदक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित छठी राज्य स्तरीय महिला योगासन स्पोर्ट चैंपियनशिप आगरा के डॉ एम पी एस वर्ल्ड स्कूल में संपन्न हुई। जिसमें 200 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जनपद अमरोहा से 12 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। इस प्रतियोगिता में अलग अलग आयु वर्ग में 4 इवेंट आयोजित किये गए। जिसमे जनपद अमरोहा के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल सहित कुल 4 मैडल जीतकर अपना परचम लहराया। जनपद अमरोहा से कन्या गुरुकुल की छात्रा कनिका ने कलात्मक योगासन एकल में स्वर्ण पदक और इन्दु माथुरिया ने रजत पदक जीता। कलात्मक योगासन युगल में भी कनिका और इन्दु की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। तालात्मक योगासन युगल में आर्यान्शी स्वामी और सिमरन की जोड़ी ने रजत पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केन्द्रीय राज्य मन्त्री एस पी सिंह बघेल व उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह और सचिव रोहित कौशिक आदि ने सभी खिलाड़ियों को मैडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आगरा में अमरोहा जनपद की टीम के साथ उपस्थित डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ जोगिन्द्र सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जनपद अमरोहा के कन्या गुरुकुल चोटीपुरा के योगासन खिलाड़ी पिछले कई वर्षों से योगासन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। और इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल जनपद को दिलाये हैं। कन्या गुरुकुल चोटीपुरा की प्राचार्या डॉ सुमेधा ने भी बच्चों की जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुरुकुल के बच्चे प्रतिवर्ष योगासन में मैडल जीत कर गुरुकुल ही नहीं पूरे जनपद का सम्मान बढ़ा रहे हैं। अप्रैल माह में दिल्ली में हुई एशियन चैंपियनशिप में भी गुरुकुल की छात्रा आर्यान्शी ने स्वर्ण पदक जीता था। टीम के साथ उपस्थित टीम मैनेजर मुनेन्द्र सिंह व कोच पूनम शर्मा ने भी बच्चों की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

बीडीओ लोकचंद के कड़े प्रयासों से विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में ऊंचाइयों को छू रहा ब्लॉक जोया

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- अमरोहा जिला, उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है, जो अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस जिले के विकास खण्ड जोया में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) लोकचंद के नेतृत्व में विकास कार्यों ने नई ऊँचाइयों को छुआ है। उनकी कार्यशैली, समर्पण और ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता ने जोया ब्लॉक के गाँवों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लेख उनके कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालता है, जो ग्रामीण समुदाय के उत्थान में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। लोकचंद, जोया विकास खण्ड के खंड विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, उन्होंने अपने कार्यकाल में कई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, रोजगार, स्वच्छता को मजबूत करना रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में विशेष ध्यान दिया है, जिससे गाँवों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। लोकचंद के नेतृत्व में जोया ब्लॉक के कई गाँवों में मॉडल ग्राम परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत गाँवों में पर्यावरण को बढ़ावा ओर क्षेत्र में विकास ओर स्वच्छता सरकार की योजनाओं को लेकर उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, उन्होंने ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मनरेगा, स्वच्छ भारत अभियान, एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत लोकचंद ने जोया ब्लॉक में स्वच्छता अभियान को गति प्रदान की है। गाँवों में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। इसके परिणामस्वरूप, कई गाँव खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किए गए हैं। साथ ही, उन्होंने वृक्षारोपण अभियानों को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कदम उठाए हैं। लोकचंद ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को प्रोत्साहित किया, जिससे ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, स्कूलों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आई है। लोकचंद की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सामुदायिक सहभागिता है। वह नियमित रूप से गाँवों का दौरा करते हैं और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हैं। उनकी पारदर्शी और जवाबदेह कार्यप्रणाली ने लोगों का विश्वास जीता है। वह ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर विकास योजनाओं को लागू करते हैं, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुँचता है। खंड विकास अधिकारी लोकचंद के प्रयासों से जोया विकास खण्ड में ग्रामीण विकास की नई तस्वीर उभर रही है। उनकी दूरदर्शिता, कड़ी मेहनत और जन-केंद्रित दृष्टिकोण ने इस क्षेत्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। उनके कार्य न केवल जोया ब्लॉक के लिए, बल्कि पूरे अमरोहा जिले के लिए एक प्रेरणा हैं। यह उम्मीद की जाती है कि उनके नेतृत्व में जोया विकास खण्ड भविष्य में और अधिक समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा।

दो दिवसीय 11 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का किया गया शुभारंभ

धनारी/संभल (सब का सपना):- गायत्री शक्तिपीठ दिनौरा व प्रज्ञा पीठ खलीलपुर एवं शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में दो दिवसीय 11 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को मंगल कलश यात्रा के साथ आरंभ हुआ। जिसमें प्रथम यजमान बन ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान प्रवेश शर्मा ने सपत्नीक पूजन आदि किया। कलश यात्रा से पूर्व विधिवत शक्ति कलश का पूजन किया गया। जहां सूरजपाल सिंह, दुर्गेश व नरेंद्र सिहं ने वेद मंच के माध्यम से पूजन प्रवचन व संचालन आदि किया।जनपद सम्भल के गुन्नौर तहसील क्षेत्र के कृतिया गांव में प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में आज 28 जून से 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जो 29 जून तक चलेगा। महोत्सव में रविवार सुबह 8 बजे से गायत्री महयज्ञ का शुभारंभ होगा। उससे पूर्व गायत्री पीठ के तत्वाधान में शनिवार को प्रातः 9 बजे से कलश यात्रा शिव मंदिर कृतिया से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंची। तदोपरांत आरती के बाद शांति पाठ, देवताओं की विदाई व मां भगवती भोजनालय में प्रसाद वितरण किया गया। जहां सैकड़ो की संख्या में गायत्री साधकों व कलश धारक बहिनों ने प्रसाद ग्रहण किया। जहां शनिवार सांय काल में भव्य दीप यज्ञ का आयोजन किया जाएगा और रविवार 29 जून को यज्ञ प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जहां रविवार को गायत्री परिवार द्वारा 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के आयोजन के साथ युवा सम्मेलन एवं पावन प्रज्ञा पुराण कथा का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर महंत जयवीर गिरी जी महाराज, विजयपाल सिंह प्रधान, डा. गौरव कुमार शर्मा, शुकपाल सिंह, चरनपाल सिंह डीलर, मा. दिनेश यादव, धीरचंद डीलर, मुख्तली सिंह सरपंच, मा. विनोद राघव, मुनीश राघव, मा. शिवा राघव, मुनेंद्र राघव, शिवकुमार राघव, देवकी शर्मा, छदम्मी लाल शर्मा, ललित शर्मा, वीरेश चौहान, संजय राघव, धर्मेंद्र सिंह, हरज्ञान सिंह, वीरेंद्र अमीन साहब, विनोद गुप्ता, चंद्रपाल सिंह, तेजपाल, लक्ष्मी नारायण, प्रेमपाल सिंह, मा. अनेक पाल, नेकसिंह कठेरिया, मा. नीरज सिंह, विनोद दिवाकर, राधेश्याम जिला पंचायत सदस्य, विजयपाल सिंह व समस्त गायत्री साधक उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 राजेन्द्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में महिला थाना बहजोई व थाना जुनावई पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिया गया एवं महिला थाना पर अभिलेखों को चेक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। महोदयों द्वारा थानों पर समाधान दिवस की शिकायतों को सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में आये लोगों की शिकायतों को गम्भीरता से सुना जाए तथा स्थलीय निरीक्षण करके समस्या का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पुलिस कर्मियो को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। इस दौरान उपजिलाधिकारी गुन्नौर व क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार आदि प्रशासन व पुलिस के अधिकारीगण उपस्थित रहें

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर जिलाधिकारी ने ली बैठक, साफ सफाई फॉगिंग एंटी लार्वा के छिड़काव के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग अभियान के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारियों से संवेदनशील ग्रामों की साफ- सफाई, फॉगिंग एंटी लार्वा दवा का छिड़काव सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई गई है या नही जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संवेदनशील ग्रामों में दस्तक अभियान के तहत कितने आशाओं द्वारा सर्वे किया गया और कितने केस, मलेरिया, डेंगू और सामान्य फीवर, टीबी के निकले जानकारी ली। गंभीरता से सर्वे कराए जाने के निर्देश दिए । उन्होंने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि प्रभात फेरियों का आयोजन किया जाए ताकि उससे अधिक प्रचार प्रसार हो और लोगों को संचारी रोगों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त हो। उन्होंने कहा जो प्रभात फेरिया निकल जाएं उन में वार्ड मेंबर अवश्य हो। उन्होंने कहा ऐसी जगह की लिस्ट तैयार करें जहां साफ सफाई बहुत कम या नहीं होती है। 1 जुलाई से 10 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। ग्रामीण शहरी क्षेत्र में नालो की सफाई अवश्य की जाए इस अभियान के बारे में ग्राम प्रधान एवं वार्ड मेंबर्स को पत्र जारी किया जाए। प्रभात फेरिया में माननीय जनप्रतिनिधियों को जरूर अवगत कराये। संचारी रोगों से जागरूकता के संबंध में कंप्लेंट ग्रामों में लगवा दी जाए आगामी बैठक में 7 दिन जो कार्य किए हैं उसकी पीपीटी अवश्य दिखाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र , मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी और स्वास्थ्य के moic व डॉक्टर मौजूद रहे।

सुलह समझौते की बैठक में 23 पत्रावलियों का किया गया निस्तारण किया

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनपद संभल में पुलिस अधीक्षक के. के. बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग आज सुबह 10 बजे महिला थाने में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलन द्वारा किया गया जहां कुल 68 पत्रावली सुनकर 23 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा नव परिवार को मिलाया गया तथा 14 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, बबीता शर्मा, सीमा आर्य, श्वेता गुप्ता, कंचन महेश्वरी, तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत आदि लोग उपस्थित

भाकियू शंकर का हरिद्वार में तीन दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित, चिंतन शिविर में हजारों किसान हुए शामिल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तराखंड के हरिद्वार में अत्यधिक वर्षा के उपरांत भी भाकियू शंकर द्वारा तीन दिवसीय चिंतन शिवर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में हजारों की संख्या में किसानों ने भाग लिया। विगत वर्ष की भांति चिंतन शिविर में देश भर के किसानों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान का रास्ता निकालने को संगठन लगातार प्रयासरत है। इसके अलावा संगठन के विस्तार को लेकर अन्य प्रदेशों में भी जिला व तहसील स्तर पर प्रभारी प्रवास करेंगे एवं वहां के किसानों की स्थानीय समस्याओं को सुनकर उनका निदान करने का काम किया जाएगा । भाकियू शंकर संगठन में अनुशासनहीनता व निष्क्रियता बर्दाश्त नहीं की जाएगी ओर ऐसे पदाधिकारी को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा । राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि 150 करोड़ देशवासियों का पेट भरने वाला अन्नदाता आज भी कर्जदार - कमजोर एवं भूखा होने के कारण आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने को मजबूर है, जोकि देश के अन्नदाताओं की स्थिति को बयां करता नजर आ रहा है। प्रदेश में केंद्र-राज्य सरकार किसान हित में बहुत सी जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है, परंतु देश के किसानों के नाम पर प्रत्येक वर्ष कई लाख करोड़ की फर्टिलाइजर सब्सिडी डकारने के बाद भी अन्नदाता को फर्जी व नकली उर्वरक दिए जा रहे हैं। हाल ही में राजस्थान के अजमेर में इफको जैसी संस्था पर बहुत बड़ा खुलासा हुआ है, जिस कारण इस देश का अन्नदाता बड़े ही सदमे में है। यहां पर खाद-उर्वरक बनाने के नाम पर देश भर के किसानों के साथ बहुत बड़ा छल करने का कार्य किया गया है। किसानों द्वारा अपनी फसलों में इस्तेमाल किये जाने वाला नामी गिरामी सागरिका जैसा ब्रांड मिट्टी-बजरी-मार्बल स्लरी के मिश्रण से तैयार किया जा रहा था, जिसका उपयोग करने से उपजाऊ खेतों की मिट्टी बंजर हो जाएगी ओर इस तरह के नकली खाद व उर्वरकों के प्रयोग से किसानों को कितना भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। किसानों के नाम पर उधोगपति उर्वरक सब्सिडी की खुलेआम लूट कर रहे हैं ओर मिलावटखोरी करके इस देश के किसान की आर्थिक रूप से कमर तोड़ने का कार्य कर रहे हैं , कल उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ में भी इसी तरह का नकली उर्वरक जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लगभग 23 जिलों में वितरित किया जाता है का मामला प्रकाश में आया है, हमारा संगठन मांग करता है कि देशभर में इस तरह के मिलावटी- नकली व फर्जी उर्वरक पेस्टिसाइड को हर दशा में तत्काल बंद करने का कार्य किया जाए , नहीं तो भाकियू शंकर संगठन सड़क पर उतरकर देश के अन्नदाता को बचाने के लिए धरने- प्रदर्शन व आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेवारी प्रशासन व सरकार की होगी । चिंतन शिविर में अध्यक्षता जगत सिंह चौहान व इसका संचालन प्रदेश प्रवक्ता प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ने किया। इस दौरान बबीता रानी, मंजू चौधरी, अशोक रानी, नीरज रानी, पूनम चौधरी, विदिशा चौहान, दीपांशी, विनोद चौधरी, मंजू शर्मा, शिमला चौहान, चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश रतनपुर, राजवीर सिंह, विक्रम पवार, भगत जी मोजी, रामपाल चौधरी, सतवीर सिंह, रवि पाल, पप्पू, नरेश कुमार, देवेंद्र सिंह ,चंद्रभान सिंह, शेर सिंह राणा, गजराम चौहान, सुनील चौहान, प्रीतम चौहान, ठाकुर जालंधर सिंह व जितेंद्र चौधरी समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

उप कृषि निदेशक के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा जिला अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। डॉ. राम प्रवेश ने अपने कुशल प्रबंधन, नवाचार और किसानों के प्रति समर्पण के कारण जिले में कृषि विकास को एक नया आयाम दिया है। उनके नेतृत्व में लागू की गई योजनाएं और पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं, बल्कि क्षेत्र में सतत कृषि प्रथाओं को भी बढ़ावा दे रही हैं। डॉ. राम प्रवेश ने अपने कार्यकाल के दौरान जिले में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं, जैसे सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन और प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि, को प्रभावी ढंग से लागू करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इन योजनाओं का लाभ जिले के हर छोटे-बड़े किसान तक पहुंचे। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से किसान मेलों, प्रशिक्षण शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, और जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. राम प्रवेश ने विशेष रूप से जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। उनके मार्गदर्शन में अमरोहा के कई गांवों में जैविक खेती को अपनाया गया है, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में सुधार हुआ है, बल्कि किसानों की फसलों की गुणवत्ता और बाजार मूल्य भी बढ़ा है। उन्होंने किसानों को जैविक खाद और कीटनाशकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया और इसके

लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए। इसके परिणामस्वरूप, जिले के कई किसानों ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम की और उनकी आय में वृद्धि हुई। उप कृषि निदेशक के रूप में, डॉ. राम प्रवेश ने खेतों तक सीधे पहुंचकर किसानों की समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए त्वरित कदम उठाए। उन्होंने खेतों का निरीक्षण कर मक्का, धान, और गन्ने जैसी फसलों की स्थिति का जायजा लिया और किसानों को उनकी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए तकनीकी सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने डीएपी और अन्य उर्वरकों की कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए, जिससे किसानों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो सकी। डॉ. राम प्रवेश ने डिजिटल तकनीक का उपयोग कर किसानों को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कृषि यंत्रों की बुकिंगऔर ऑनलाइन लगान भुगतान जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया, जिससे किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हुई। उनके प्रयासों से अमरोहा जिले में कृषि यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, जिसने किसानों के समय और श्रम की बचत की है। जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर डॉ. राम प्रवेश ने जिले में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं को मजबूत किया, जिससे किसानों को अपनी मिट्टी की स्थिति के बारे में सटीक जानकारी मिली और वे उचित फसल चक्र का चयन कर सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए किसानों को तैयार करने के लिए आपदा प्रबंधन योजनाओं को लागू किया। डॉ. राम प्रवेश का किसानों के प्रति समर्पण और उनकी नवाचारी सोच ने अमरोहा को कृषि क्षेत्र में एक मॉडल जिला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके प्रयासों से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति सुधरी है, बल्कि जिले में कृषि की सतत और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को भी बढ़ावा मिला है। उनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी हो रही है। अमरोहा के किसान आज डॉ. राम प्रवेश को एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखते हैं। उनके नेतृत्व में जिला न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि कर रहा है, बल्कि यह भी साबित कर रहा है कि सही दिशा और समर्पण के साथ, कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं।

शुभम प्रताप सक्सेना एडवोकेट को प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के पद पर किया गया मनोनीत

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण संघ के युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बदलाव करते हुए चंदौसी सम्भल जनपद के युवा अधिवक्ता शुभम प्रताप सक्सेना एडवोकेट जो संगठन में मंडल अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ मुरादाबाद के पद पर कार्य कर रहे थे। उनके द्वारा संगठन के प्रति किए गए कार्य और कर्तव्य निष्ठा समर्पण भाव को देखते हुए शुभम प्रताप सक्सेना एडवोकेट को प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के पद पर मनोनीत किया गया है, साथ ही अधिवक्ता शुभम प्रताप सिंह से उम्मीद की जाती है कि वह संगठन को नए सिरे से पुनगर्ठित करते हुए युवा प्रकोष्ठ टीम को पूरे उत्तर प्रदेश में तैयार करेंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक होंगे। अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण संघ की तरफ से उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी गई ।

पाइपलाइन लीकेज होने से लाखों लीटर पानी रोजाना हो रहा बर्बाद विभाग मौन...

सम्भल(सब का सपना):- जहां एक तरफ सरकार और सामाजिक संगठन जल बचाओ जीवन पाओ अभियान के तहत लोगों से जल बचाने की अपील कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ सरायतरीन के कई मुहल्लों(दरबार, हौज कटोरा) में काफी समय से पाइपलाइन लीक और टोंटियां न होने के कारण रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है और घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जनपद सम्भल के सरायतरीन के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। पाइप लीकेज से कुछ घरों में नालियों का गंदा पानी आने से लोग परेशान हैं। वही दुसरी तरफ भीषण गर्मी में सड़क पर लाखों लीटर पानी बह रहा है और हजारों लोग पानी को तरस रहे हैं। विभाग ने लापरवाही की हदों को पार कर दिया है। लीकेज ठीक करना तो दूर, शिकायत के बाद भी कोई देखने नहीं आता। पीने योग्य पानी नालियों में बह रहा है और घरों में लोगों की बाल्टियां खाली हैं। कुछ लोगों ने बताया कि एक ओर सरकार जल संरक्षण पर जोर दे रही है। वहीं नल-जल से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। परन्तु इस ओर किसी भी उच्चधिकारी का ध्यान नहीं है। जिससे रोज हजारों लीटर पानी की बबार्दी हो रही है। स्थानीय निवासियों ने लीकेज रोकने की मांग की है उनका कहना है कि घर के आगे सड़क पर बेवजह जल बहने से जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

भाजपाइयों ने सुनी पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात, किया वृक्षारोपण

नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को नौगांवा सादात नगर पंचायत के मोहल्ला अलीनगर की बूथ संख्या 241 पर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी के आवास पर भाजपा कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 123 वा एपिसोड एलसीडी के माध्यम से सुना। पीएम ने मन की बात में योग दिवस की तारीफ करते हुए कहा कि गुजरात के बड़नगर में 2121 लोगों ने एक साथ भुजंगासन किया और उधर तेलंगाना में 3000 दिव्यांग साथियों ने योग किया। आगे कहां की इंटरनेशनल योग दिवस लगातार भव्य होता जा रहा है। पीएम ने खाने में 10% तेल कम करने की बात दोहराई। साथ ही पीएम ने इस बार योग दिवस की थीम और हाल ही में इमरजेंसी के पूरे 50 सालों को लेकर भी चर्चा की, कहां की इमरजेंसी में लोकतंत्र की हत्या की गई। भारत के लोगों को परेशान किया गया था । भाजपा कार्यकताओं ने मन की बात सुनने के बाद एक पेड़ मां के नाम पौधा रोपण किया। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, बूथ अध्यक्ष मयंक कुमार, सुनील कुमार, अब्दुल सलाम सैफी, हाजी शहाबुद्दीन अंसारी,अरशद हयात आदि लोग मौजूद रहे।

आवारा पशुओं के हमले से ग्रामीणों में दहशत, फसलों को कर रहे बर्बाद

सिंभावली/हापुड (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव दतियाना में आवारा पशुओं के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहोल है। आवारा पशु के द्वारा लगातर टक्कर मारकर घायल क्या जा रहा है जिससे कि आवारा पशुओं से ग्रामीणों के अंदर दहशत का माहौल है। छाया त्यागी व सार्थक त्यागी को आवारा पशुओं ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं किसानों की फसल को आवारा पशु बर्बाद कर रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी कुशल पाल आर्य ने जिला प्रशासन से मांग की है किसानों की फसल को बर्बाद कर रहे आवारा पशुओं को पड़कर गौशाला में भेजा जाए और किसानों की बर्बाद फसल का जिला प्रशासन शासन से मुआवजा दिलवाया जाए। आवारा पशुओं के आतंक से ग्रामीणों कि सुरक्षा की जाए।

बाबूगढ़ व धौलाना पुलिस ने दो अवैध तमंचों के साथ दो युवक किए गिरफ्तार

हापुड़ (सब का सपना):- पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र के निदेर्शा अनुसार जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत थाना बाबूगढ व धौलाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान अलग-अलग दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से अवैध असलहा व जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है। एडिशनल एसपी विनीत कुमार भटनागर ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत थाना बाबूगढ पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त मुकेश पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम सरावनी थाना बाबूगढ जनपद हापुड को ग्राम सरावनी से नगली वाले रास्ते के पास से चैकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से अवैध असलहा बरामद हुआ है। धौलाना पुलिस ने शाहरुख पुत्र फराकत निवासी मदीना मस्जिद के पास पिलखुआ को दयाल लेमिनेशन मसूरी गुलावटी रोड के पास से गिरफ्तार किया। खबर लिखे जाने तक दोनो को मुकदमा पंजीकृत कर जैल भेजने की तैयारी की जा रही थी।

स्नान कर रही महिला के साथ पड़ोस में रहने वाले युवक ने किया दुष्कर्म का प्रयास...

संभल(सब का सपना):- सदर कोतवाली क्षेत्र मे एक महिला ने पडोसी युवक पर दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए सदर कोतवाली पुलिस से युवक के खिलाफ कार्यवाही करने की माग की है।महिला का आरोप है कि पड़ोसी युवक ने उसके घर मे आकर जबर्दस्ती दुष्कर्म करने का प्रयास किया उस समय महिला स्नान कर रही थी। महिला का आरोप है कि जब उसने अपने आप को बचाने का प्रयास किया तो युवक ने उसको काटना शुरू कर दिया किसी तरह महिला ने खुद को आरोपी युवक से बचाया ओर सदर कोतवाली पुलिस को युवक के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। महिला द्वारा शिकायती पत्र पुलिस तक पहुँचने की जानकारी जब आरोपी पक्ष को पता चली तो आरोपी पक्ष के कुछ राजनीतिक लोग व एक गाँव के प्रधान पुत्र ने महिला के मायके वालो से सम्पर्क कर मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया, लेकिन महिला नही मानी। महिला ने बताया कि वह किराए के मकान पर रह कर अपनी गुजर बसर कर रही है और उसका पति काफी समय से घर से दुर रहकर मजदूरी कर रहा है,यहां उसका कोई नही है।

व्यापारी कल्याण दिवस एवं दानवीर भामाशाह की जयंती की देश के सभी व्यापार मंडल एवं व्यापारियों को शुभकामनाएं बधाई मुबारकबाद दी

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- एम वर्ड स्कूल में दानवीर भामाशाह की जयंती पर संभल प्रशासन की ओर से बहुत ही जोश एवं तैयारी के साथ व्यापारी कल्याण दिवस मनाया गया जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य मंत्री बहन श्री गुलाब देवी एवं संभल जिले के जिला अधिकारी श्री राजेंद्र पेंशिया में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री श्री प्रेम ग्रोवर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया संभल जिले के प्रोग्राम में सम्मानित होने के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा दानवीर भामाशाह जयंती के उपलक्ष में मिला प्रमाण पत्र अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के सभी व्यापारी एवं सदस्यों का पदाधिकारी का है जब घर के किसी व्यक्ति को सम्मानित होता है तो पूरा घर सम्मानित होता है अतः में अपने संगठन की सभी पदाधिकारी एवं व्यापारियों व्यापारी कल्याण दिवस सम्मानित होने की शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

संभल:- गौशाला में तड़पकर दम तोड़ रहे गोवंश, जिम्मेदार मोन

सरकार द्वारा सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बाद, लापरवाह सचिव के चलते हालत दयनीय

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार गौरक्षा व गौसेवा में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही, जो गौवंशीय पशु दर दर भटक रहे है और बुरी तरह से जख्मी हो रहे थे उन सबके लिए गौशालाओं का निर्माण करा कर सुरक्षित कर दिया उनके खाने पीने के लिए शासन से प्रति पशु के हिसाब से धन भी मुहैया कराया जा रहा है और उनकी देखभाल के लिए केयर टेकर भी रखे गये है। जिनको मानदेय भी दिया जाता उनका यही काम है कि गौवंशीय पशुओं की देखभाल व गौशालाओं की साफ-सफाई के लिए जिससे किसी भी गौवंश को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के साथ पंचायत सचिव की देखभाल में गौशाला संचालित की जाती है वही उनका रक्षक होता है उसी की पूर्ण जिम्मेदारी होती है। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया के लिए भी गौवंशीय पशुओं से बहुत ही लगाव है और बह आये दिन गौशालाओं का भ्रमण भी करते रहते

हैं और संबंधित को दिशा-निर्देश भी देते है उनका स्पष्ट कहना है कि गौवंशीय पशुओं के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। परन्तु यहां तो सीधे-सीधे सरकार और जिलाधिकारी के आदेश को चुनौती मिल रही है।

क्या है पूरा मामला

पूरा मामला पंवासा विकास खंड के गांव ऐचोली का है जहां पर दस माह पूर्व स्थाई गौशाला का निर्माण कराया गया था और जनपद की कुछ अस्थाई गौशालाओं में रह रहे गौवंशीय पशु को यहां पर संरक्षित कर दिया गया यह एक बडी गोशाला है। इसमें लगभग 400 गौवंशीय पशु रहते है। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश के वावजूद उस गौशाला की स्थिति दयनीय है। आपको बता दें कि शनिवार के दिन गौशाला का मंजर देख कर किसी का भी दिल कांप उठता गौशाला में दो गौवंशीय पशु भीषण गर्मी ऊमस से धूप में बीमार तड़फ तडफ मौत और जिन्दगी से लड रहे थे। परन्तु किसी ने इतनी जहमत नहीं उठाई की कम

से कम उनको टीन सैड में रख दे बही एक गोवंश टीन सैड में मृत पडा था और वही दूसरे टीन सैड में एक और गौवंशीय पशु तड़फ रहा था। लगभग आधा दर्जन गोवंशीय पशु वहां पर तड़फ रहे थे। परन्तु उनको देखने वाला कोई नही जब की वहां पर लगभग पांच लोगों को उनकी देखभाल के लिए रखे हुआ है। पूरे प्रांगण में पानी कीचड़ भरा हुआ था।

बेहाल थे काफी गोवंश

इनकी देखभाल और इनके चारे आदी की जिम्मेदारी सचिव संजय यादव की है परन्तु उनको कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उन महोदय का कहना है कि मेरा कोई कुछ नही कर सकता अगर सूत्रों की माने तो उनके ऊपर सफेद पोशो का हाथ है इसी लिए वह अपनी मनमानी करते हैं और गौशाला की तरफ उनका कोई ध्यान नहीं है। जब इस संबंध में ग्राम प्रधान से बात की तो बह गौशाला में मौजूद थे जब उनसे पूछा गया कि आपकी गौशाला में यह बेजुबान तड़फ तडफ कर दम तोड रहे है। तब उनका जवाब था कि समय-समय पर हम डाक्टरों से इलाज भी कराते हैं और उच्च अधिकारियों को अवगत कराते रहते है, जब इस संबंध में सचिव संजय यादव से बात की तो कोई संतुष्ट जबाब नही दे सके। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट व पंचायत राज अधिकारी उपेन्द्र कुमार पाण्डेय के साथ साथ वीडियो पंवासा को भी अवगत करा दिा गया है। अव देखना है कि प्रकरण में उच्च अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं? यह उन पर निर्भर करता है। सचिव की लापरवाही के चलते सरकार की छवि धूमिल हो रही है, सूत्रों की माने तो सचिव संजय यादव अपने आप में एक रसूख रखने वाले व्यक्ति हैं और यह किसी की मानते भी नहीं है, ग्राम प्रधान का कहना है कि सचिव ही गोवंशीय पशुओं का चारा स्वयं ही कही से भेजते है और पूरा लेखा-जोखा अपने पास रखते हैं मेरा काम पशुओं की देखभाल और फोटो भेजने का काम है पैसों के लेन-देन मुझे कोई मतलब नहीं।

ऑनलाइन नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 01 लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल साइबर क्राइम अखिलेश भदौरिया के कुशल पर्यवेक्षण में व पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम श्वेताभ भास्कर, क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना अमरोहा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-19/2025 धारा-318(4) /319 (2) भा0 न्या0सं0 व 66(सी)/66(डी) आई0 टी0 एक्ट से सम्बन्धित Shine.com U Naukri.com का डाटा प्राप्त कर लोगो को नौकरी दिलाने के नाम ठगी करने वाले मुकुल उर्फ नकुल, अंकुर पुत्रगण हरिसिंह, योगेन्द्र उर्फ कल्लू पुत्र ऋषिपाल निवासीगण ग्राम ब्रहमाबाद की मढैया थाना सैदनगली जनपद अमरोहा को घटना में प्रयुक्त 01 लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस के द्वारा प्रतिबिम्ब पोर्टल पर प्रदर्शित होने वाले संदिग्ध मोबाइल नम्बरों की जांच करने पर पता चला कि अभियुक्त ने साइन डाट कॉम व नौकरी डाट कॉम से डाटा प्राप्त कर पीडित आदिल कोडरू निवासी कादिरी थाना कादिरी टाऊन, सत्या साई, आन्ध्रप्रदेश- 515591 के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर 22480 रू की ठगी की है। जिस मोबाइल नम्बर द्वारा कॉल कर पीडित आदिल कोडरू से साइबर ठगी की गयी थी यह मोबाइल नम्बर व मोबाइल फोन अभियुक्तों के कब्जे से मौके से बरामद हुआ है। अभियुक्तों के द्वारा सम्पुर्ण देश के अलग-अलग हिस्सो के लोगों के

साथ पिछले 2 साल से नौकरी दिलाने के नाम पर लगातर साइबर फ्रॉड किया जा रहा था। जिसमें थाना साइबर क्राइम की टीम द्वारा संदिग्ध मोबाइल नम्बर के आधार पर इनको ट्रेस किया गया। इनके द्वारा प्रयोग किये गये मोबाइल फोन, सिम कार्ड व बैंक खातो के खिलाफ पूरे भारत में काफी शिकायते दर्ज है जिसकी जांच की जा रही है। ज्ञात रहे कि प्रतिबिंब पोर्टल (Pratibimb Portal) एक अत्याधुनिक साइबर अपराध निगरानी और विश्लेषण प्रणाली है, जिसे भारत सरकार द्वारा विकसित किया गया है। जब कोई साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 या National Cyber Crime Reporting Portal पर दर्ज की जाती है, तो फ्रॉड में इस्तेमाल हुये सम्बंधित मोबाइल नंबर और बैंक खाते का विवरण प्रतिबिंब में दर्ज होते हैं। यह पोर्टल इन नंबरों की भौगोलिक स्थिति (Geo-mapping) करता है, जिससे अपराधियों की वास्तविक लोकेशन का पता चलता है । उक्त जानकारी के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबर की जांच की जाती है जिससे ठगी का खुलासा किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तो से सामने आया कि अभियुक्त मुकुल अपने साथी निखिल के बताये अनुसार सम्बन्धित कम्पनी (Shine.com U Naukri.com) से नौकरी की तलाश कर रहे लोगो का डाटा लेकर अपनी टीम की साथी जया व एकता से इनके पास कॉल कराकर इनको नौकरी दिलाने के लिए अलग-अलग फीस के रूप में (उदारहण-रजिस्ट्रेशन फीस 1980रू, डोकुमन्ट वेरीफिकेश- 3500रू, ऑफर लेटर- 6500रू आदि) अलग-अलग फर्जी बैंक खातों में पैसा लेकर उनके फोन नम्बर को एमएम ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता था। इसके बाद योगेन्द्र द्वारा इस पैसे को भिन्न-भिन्न एटीएम से निकाल लेता था तथा अंकुर द्वारा गरीब लोगो के नाम पर बैंक खाते व सिम कार्ड खुलवाकर उपलब्ध कराने का काम किया जाता था। अभियुक्तों की गिरफ़्तारी करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा 25,000/- रुपये के नकद पुरस्कार से पुरुस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया है।

कश्मीरी गेट बस अड्डे की पार्किंग पड़ रही महंगी, पंजाब रोडवेज ने बाहर तलाशी जगह

पूर्वी दिल्ली। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डे के अधिक पार्किंग शुल्क से बचने के लिए पंजाब रोडवेज ने सस्ता और अच्छा विकल्प तलाश लिया है। शास्त्री पार्क में नगर निगम की पार्किंग को पंजाब रोडवेज ने अड्डा बनाया है। इसमें मात्र 100 रुपये प्रति बस शुल्क लगता है। इतने खर्चे पर पांच घंटे तक बस खड़ी कर सकते हैं। पंजाब के विभिन्न शहरों से लंबे सफर के बाद यात्रियों को कश्मीरी गेट बस अड्डे के बाहर उतारने के बाद चालक और परिचालक निगम की पार्किंग का रुख कर लेते हैं। वहीं पार्किंग में कुछ घंटे सुस्ता कर अपनी थकान उतारते हैं, फिर यहां से बस अड्डे के अंदर जाकर सवारियां लेकर निकल जाते हैं। कितने मिनट का कितना चार्ज? कश्मीरी गेट समेत अन्य अड्डों में बसों की भीड़ को कम करने के लिए दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना के निर्देश पर पिछले साल दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीटीआइडीसी) ने अड्डे में 25 मिनट बस खड़ी करने के 590 रुपये वसूलने शुरू कर दिए थे। 25 मिनट से ऊपर होते ही 50 रुपये पांच मिनट के हिसाब से अतिरिक्त देने पड़ते हैं। इस हिसाब से एक बार बस अंदर घुसी और चालक-परिचालक दो से तीन घंटे सुस्ताने चले गए तो रोडवेज को 1700 से 2400 रुपये तक का भुगतान बनता था। लंबी दूरी की बसों के चालक-परिचालक के यह मुमकिन नहीं कि वह कश्मीरी गेट बस अड्डे में घुसते ही चंद मिनटों में बस भरकर दोबारा से यात्रा पर निकल पड़ें। ऐसे में कश्मीरी गेट बस अड्डे के अंदर बस खड़ी कर उनके लिए सुस्ताना अधिक पार्किंग शुल्क के चलते नुकसानदायक साबित हो रहा था।

दिल्ली के 70 प्रतिशत व्यापार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा बोर्ड, 9 व्यापारी सदस्यों के लिए नेताओं की सक्रियता हुई तेज

नई दिल्ली। दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड दिल्ली के 70 प्रतिशत से अधिक व्यापार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा। व्यापार के साथ ही उद्योग, सेवा क्षेत्र व ट्रांसपोर्ट जैसे क्षेत्र भी इससे जुड़े होंगे। मामले से जुड़े प्रमुख जनप्रतिनिधि के अनुसार, यह केवल व्यापारी क्षेत्र के लिए सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उद्योग, होटल व रेस्तरां जैसे सेवा क्षेत्र तथा निजी बसें व ट्रकों वाले ट्रांसपोर्ट जैसे क्षेत्र के मामलों से यह गंभीरता से जुड़ा होगा। यह समग्र बोर्ड होगा, जिसमें व्यापार से जुड़े सभी क्षेत्र आएंगे। यह दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र का 70 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा होगा। इससे केवल चिकित्सक, अधिवक्ता व चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) जैसे सेवा क्षेत्र ही अलग होंगे। जानकारों के अनुसार,इस बोर्ड के गठन की औपचारिक प्रक्रिया अगले माह के आरंभ से शुरू होगी। जिसमें व्यापार क्षेत्र के प्रतिनिधियों की सूची, बोर्ड का एजेंडा, विभिन्न विभागों से अधिकारियों का प्रतिनिधित्व जैसे मामले तय किए जाएंगे। इन सारी प्रक्रियाओं को पूरा होने में एक माह का वक्त लगने का अनुमान है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा दिल्ली के व्यापार वर्ग द्वारा बोर्ड के गठन की मांग लंबे अर्से से की जा रही थी। शीला दीक्षित की सरकार में यह था, लेकिन अरविंद केजरीवाल की सरकार में इसका गठन नहीं किया गया था। अब मौजूदा रेखा गुप्ता की सरकार ने गत 25 जून के बोर्ड के गठन की घोषणा की है, जिसके तहत ईज आफ डूइंग बिजनेस का बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार और उद्योग, व्यापार तथा सेवा क्षेत्र में संवाद बढ़ाया जाएगा। प्रयास होगा कि दिल्ली से बाहर जाते उद्योग कारोबार को रोका जाए और उन्हें दिल्ली में सकारात्मक माहौल दिया जाए। वैसे, नौ व्यापारी सदस्यों के लिए दिल्ली के व्यापारी नेताओं द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा के जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के यहां गणेश प्रक्रिया तेज है। एक प्रमुख जनप्रतिनिधि ने बताया कि अब तक दिल्ली के 60 से अधिक व्यापारी नेता उनके यहां दावेदारी जता चुके हैं। उन्होंने बताया कि सदस्यों की चयन प्रक्रिया पारदर्शिता व योग्यता पर होगी। इसमें दिल्ली के सभी क्षेत्र के व्यापार, उद्योग व सेवा क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व रहेगा।

विकास की लहर में अछूते रह गए चांदनी चौक के लोग, जुमले बने चुनावी वादे

नई दिल्ली। राजधानी में विकास कार्यों की रफ्तार भले ही तेज हो गई हो, लेकिन कुछ इलाके अब भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र के चौक रायजी इलाके की एक गली वर्षों से बदहाली का शिकार है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस गली की हालत पिछले दस वर्षों में कभी नहीं सुधरी, और विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे भी अब सिर्फ जुमले बनकर रह गए हैं। लोगों का आरोप है कि क्षेत्रीय विधायक पुनरदीप साहनी से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। विधायक तक बात पहुंचाने की कोशिश की जाती है तो उनका पीए फोन उठाकर यही कह देता है कि अभी बात नहीं हो सकती और फोन काट देता है। यह सिलसिला कई बार दोहराया गया है। गली की स्थिति इतनी खराब है कि बुजुर्ग लोग व बच्चे पत्थरों और ईंटों के ढेर से टकराकर गिर जाते हैं। वहीं, बारिश के दिनों में पानी भरने से हालत और भी खराब हो जाती है। टूटी सड़कों पर जमा पानी मच्छरों के लिए अनुकूल माहौल बनाता है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इस मामले को लेकर विधायक पुनरदीप सिंह साहनी को काल और व्हाट्सएप मैसेज के जरिए जवाब मांगा गया। लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। वहीं दूसरी ओर नगर निगम आयुक्त अश्वनी कुमार ने मच्छरजनित बीमारियों को रोकने के लिए विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इस गली में स्थिति बिल्कुल उलट है। स्थानीय निवासी कहते हैं कि यह गली मुख्य मार्ग से जुड़ती है, ऐसे में इसकी दुर्दशा पूरे मोहल्ले को प्रभावित कर रही है। लोगों का कहना है कि इन हालातों में रहना नगरिक नहीं बल्कि नारकीय जीवन जैसा लगने लगा है। दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा की अगुवाई में एक दिन में 3400 गड्ढे भर कर एक नया रिकार्ड बनाया था। वहीं दूसरी तरफ चांदनी चौक के लोग गड्ढों से भरी सड़क से ही निकलने को मजबूर है।

ऑफिस में रील देखने वाले हो जाएं सावधान, रखी जा रही है कड़ी नजर; जा सकती है नौकरी !

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में जो कर्मचारी काम के समय फोन पर रील देखने में व्यस्त रहते हैं वे सावधान हो जाएं तो बेहतर है, नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल सचिवालय में काम करने वाले कर्मचारियों पर ड्यूटी के दौरान मोबाइल पर रील देखने पर नजर रखी जा रही है। यह मामला तब सामने आया जब गत दिनों दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री अपने फ्लोर पर चुपचाप अकेले कर्मचारी वाले ब्लॉक में घूम रहे थे, उन्होंने पाया कि 90 फीसदी कर्मचारी काम ना कर मोबाइल पर रील देख रहे थे। वहीं, कुछ ने लैपटॉप या कंप्यूटर खोल रखा था मगर उनका

मोबाइल चल रहा था। एक जगह तो यह भी देखने को मिला कि सामने टीवी भी चल रही थी और कर्मचारी अपने मोबाइल पर रील देखने में लगा था। इस पर मंत्री जी भड़के और अपने ब्लाक में कर्मचारियों के परिसर से टीवी हटवाई है और चेतावनी दी है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर रील देखना लोगों की लत बनता जा रहा है वो चाहे यात्रा कर रहे हों, घर पर परिवार के साथ बैठे हों या दफ्तर में हों। ऐसे में ऑफिस में रील देखने वाले कर्मचारियों के लिए नए नियम और पॉलिसी को लेकर चर्चा हो रही है, जिससे काम की उत्पादकता प्रभावित न हो। वहीं, कुछ ने लैपटॉप या कंप्यूटर खोल रखा था मगर उनका मोबाइल चल रहा था। एक जगह तो यह भी देखने को मिला कि सामने टीवी भी चल रही थी और कर्मचारी अपने मोबाइल पर रील देखने में लगा था। इस पर मंत्री जी भड़के और अपने ब्लाक में कर्मचारियों के परिसर से टीवी हटवाई है और चेतावनी दी है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर रील देखना लोगों की लत बनता जा रहा है वो चाहे यात्रा कर रहे हों, घर पर परिवार के साथ बैठे हों या दफ्तर में हों। ऐसे में ऑफिस में रील देखने वाले कर्मचारियों के लिए नए नियम और पॉलिसी को लेकर चर्चा हो रही है, जिससे काम की उत्पादकता प्रभावित न हो।

दिल्ली में प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ अभियान शुरू, 1100 से ज्यादा रोल जब्त; 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। इस बार पतंगबाजी के कारण राजधानी में कोई अप्रिय घटना नहीं घटे इसके मद्देनजर एहतियातन दिल्ली पुलिस ने अभी से अभियान चलाकर प्रतिबंधित मांझा बेचने, बनाने व भंडारण करने वालों की धर पकड़ शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच ने दो दिनों में दो अलग-अलग जगहों पर छापा मार प्रतिबंधित मांझे के 1,100 से ज्यादा रोल बरामद किए। पहली कार्रवाई 26 जून को कमला मार्केट और दूसरी कार्रवाई 27 जून को जीवन पार्क, उत्तम नगर में की गई। दोनों ही मामले में क्राइम ब्रांच ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक आगामी स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और खरीद के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया है। नायलान से बनी यह पतंगबाजी कई लोगों, पक्षियों और जानवरों के लिए घातक साबित होती है। पहले मामले में क्राइम ब्रांच ने राजू चौरसिया को गिरफ्तार किया। वह गली नंबर छह, सोम बाजार रोड, जीवन पार्क, उत्तम नगर का रहने वाला है। उसकी दुकान व गोदाम से प्रतिबंधित मांझे के 922 रोल बरामद किए। प्रतिबंधित मांझे के इस्तेमाल से हुई कई घटनाओं के बाद क्राइम ब्रांच ने दिल्ली-एनसीआर में निगरानी बढ़ा दी है। उत्तम नगर में नायलान आधारित मांझे की अवैध बिक्री के बारे में हवलदार मोहित कुमार को सूचना मिली थी। जिसके बाद सीपी यशपाल सिंह व इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जीवन पार्क, उत्तम नगर में से राजू चौरसिया को पकड़ लिया। जांच से पता चला कि वह प्रतिबंधित मांझे को आफलाइन दुकानदारों को और आनलाइन फेसबुक जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के जरिए बेच रहा था। इसके खिलाफ प्रतिबंधित मांझा बेचने के पहले के दो मामले दर्ज हैं। दूसरे मामले में क्राइम ब्रांच ने अरीब खान को गिरफ्तार किया। वह दरियागंज का रहने वाला है। उसके कब्जे से प्रतिबंधित मांझे के 248 रोल बरामद किए गए। एसआइ बीरपाल सिंह को मध्य दिल्ली में नायलान आधारित चीनी मांझे की अवैध बिक्री व खरीद के बारे में जानकारी मिली।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की इनामी बदमाशों से मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल

गढ़मुक्तेश्वर। कोतवाली पुलिस और दो बदमाशों के बीच शनिवार की देर रात मुठभेड़ हो गई । मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जबकि दूसरे बदमाश को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा ने बताया कि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार अपनी टीम के साथ मुरादाबाद के थाना मैनाठेर के लालपुर गांव के रहने वाले दो बदमाश गुलाम एवं अनस को गिरफ्तार करके गोकशी के उपकरण बरामद करने के लिए गावड़ी गांव के जंगल में गई थी। इसी बीच वहां छुपाए गए उपकरणों में से

तमंचा निकालकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक गोली अनस के जा लगी, जबकि गुलाम को घेराबंदी करके दबोच लिया गया। दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था तथा उनके ऊपर विभिन्न थाना क्षेत्र में 30 से अधिक गोकशी, लूट, चोरी आदि के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी बीच वहां छुपाए गए उपकरणों में से तमंचा निकालकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक गोली अनस के जा लगी, जबकि गुलाम को घेराबंदी करके दबोच लिया गया। दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था तथा उनके ऊपर विभिन्न थाना क्षेत्र में 30 से अधिक गोकशी, लूट, चोरी आदि के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

फल फूल रहा साइबर ठगी का कारोबार फर्नीचर व्यापारी हुआ ऑनलाइन ठगी का शिकार...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- साइबर ठगी का कारोबार खूब धड़ल्ले से चल रहा है फर्नीचर व्यापारी को साइबर ठगों ने निशाना बनाया है। जनपद सम्भल के थाना बहजोई बर्तन बाजार निवासी मुकुल कुमार पुत्र अगस्त कुमार (42)ने साइबर सेल पुलिस को सूचित करते हुए बताया कि 27 जून रात 7:45 पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया जिसने अपना नाम संतोष कुमार सब इंस्पेक्टर बताया और कहा कि मैं थाना बहजोई से बोल रहा हूं। मुझे एक अर्जेंट में ऑफिस के लिए लोहे की अलमारी चाहिए पेमेंट अपने अकाउंट में लेलो और थाने से गाड़ी भेज रहा हूँ उसमें अलमारी रखबा कर भेज देना। दुकान स्वामी मुकुल

कुमार ने कहा कि ठीक है आप मेरे इस मोबाइल न, पर पेमेंट कर दीजिए 11300 की अलमारी है। साइबर ठग ने 6000 का फर्जी मैसेज भी भेज दिया। दोबारा फोन करके कहा कि आपके पास 6000 आ गए है। दूसरी बार 53000 का फर्जी मैसेज फिर भेज दिया और फोन करके कहा भाई मेरे से एक गलती हो गई आपको 5300 की जगह 53000 हजार आपके अकाउंट में चले गए। दुकान स्वामी कुछ समझ पाता उसने बार बार फोन करके यही दोहराया भाई गलती से चले गए हैं। आप जल्दी वापस करो तो दुकान स्वामी ने बाकी बची हुई रकम 47700 वापस करदी। साईबर ठग ने दोबारा फिर अपनी चुपड़ी चिकनी बाते कर के व्यापारी को फसाने की कोशिश करने लगा। दुकान स्वामी को चिंता हुई दुकान स्वामी मुकुल कुमार ने कहा कि में थाना बहजोई आ रहा हूँ आपसे मिलकर ही बाकी पेमेंट दूंगा। इतना सुनते ही ठग संतोष कुमार कहने लगा कि आप यहां मत आओ लेकिन दुकान स्वामी कोतवाली बहजोई पहुंच गया और पुलिस से बात की तो पता चला थाना बहजोई में इस नाम का कोई सब इंस्पेक्टर तैनात नहीं है आपके साथ फ्रॉड हो चुका है। यह सुनकर दुकान स्वामी मुकुल कुमार हैरान रह गया। 28 जून को सुबह साइबर सेल जनपद सम्भल को जाकर दुकान स्वामी ने पूरी घटना से अवगत कराया तो पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ कार्यवाही करने का आश्वाशन दिया।

कांवड़ यात्रा में ध्वनि प्रदूषण का कारण बनते हैं साउंड सिस्टम, दिल्ली पुलिस ने नहीं जारी किया कोई दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के दौरान तेज आवाज में साउंड सिस्टम ध्वनि प्रदूषण का कारण बनते हैं। इसकी वजह से लोगों को परेशानी भी होती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर पुलिस लाचार नजर आती है। इस बार कांवड़ यात्रा की शुरूआत 10 जुलाई से हो जाएगी। इसके तीन-चार दिन बाद ही कांवड़िये दिल्ली पहुंचने लगेंगे। लेकिन अभी तक पुलिस की तरफ से कांवड़ यात्रा के दौरान साउंड सिस्टम को लेकर किसी तरह का दिशानिर्देश जारी नहीं किया है। ऐसे में इन पर कोई कार्रवाई होगी, इसे लेकर भी संदेह है। दिल्ली पुलिस के पास इन पर अब तक हुई कार्रवाई का कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ियों पर कार्रवाई किए जाने से कानून-व्यवस्था को चुनौती मिलने लगती है। धार्मिक यात्रा होने के कारण पुलिस को नरमी से पेश आना पड़ता है। 17 मार्च को जारी हुई थी एडवाइजरी हालांकि ध्वनि प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली में लाउडस्पीकर और अन्य आडियो उपकरणों के उपयोग पर सख्त पाबंदी है। सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने 17 मार्च को एडवाइजरी जारी कर कहा था कि लाउडस्पीकर और साउंड बाक्स आदि का उपयोग करने से पहले स्थानीय थाने से लिखित अनुमति लेनी होगी। उपकरण आपूर्तिकताओं और नागरिक निकायों की भी जिम्मेदारी बढ़ाते हुए रात के समय लाउडस्पीकर के प्रयोग के प्रतिबंध कड़े बनाए गए। उल्लंघन करने वाले के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 270 (उपद्रव), 292 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (बंद करने की निषेधाज्ञा के बाद भी उपकरण चालू रखना) के तहत मामला दर्ज करने और 50 हजार रुपये तक जुमार्ने का भी प्रविधान है। लेकिन इनका पालन कांवड़ यात्रा के दौरान होना संभव नहीं है। क्योंकि ये किसी एक थाना क्षेत्र का मामला नहीं है।

कलयुगी बेटे ने पिता की पीट-पीटकर की हत्या, झगड़े से परेशान होकर शख्स ने उठाया खौफनाक कदम

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित आराम बाग इलाके में शुक्रवार रात एक युवक ने पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। मृतक की पहचान विनोद कुमार के रूप में हुई है। वारदात के बाद पुलिस ने चंद घंटे के भीतर ही आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान भानू प्रताप के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। विनोद के परिजनों ने आरोप लगाया है कि वारदात में और भी लोग शामिल हैं, पुलिस जानबूझकर उनको बचाने का प्रयास कर रही है। पहाड़गंज थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपित पिता से अक्सर झगड़ा करता था। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, विनोद अपने परिवार के साथ आराम बाग इलाके में रहते थे। वह पेशे से आटो चालक थे। इनका बेटा किसी दुकान पर काम करता है। पुलिस टीम को शुक्रवार रात खबर मिली थी कि आराम बाग

स्थित आंबेडकर भवन के पास एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई है। कालर का कहना था कि उनको बेटे भानू प्रताप व उनकी पत्नी ने पीटा है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो बेटे द्वारा पीटने का पता चला। पीड़ित विनोद को पहले एक निजी क्लीनिक ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी। बाद में देर रात आरोपित भानू को दबोच लिया गया। आरोपी ने बताया कि उसका अपने पिता से अक्सर झगड़ा होता था। शुक्रवार को झगड़े के दौरान वह पिता को पार्क में ले गया। वहां पहले पिता को बुरी तरह पीटा। बाद में उनके सिर, छाती और चेहरे पर पत्थर से वार किया। विनोद ने घायल होने के बाद अपनी बहन को काल कर सारी बात बता दी। इसके बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कालर का कहना था कि उनको बेटे भानू प्रताप व उनकी पत्नी ने पीटा है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो बेटे द्वारा पीटने का पता चला। पीड़ित विनोद को पहले एक निजी क्लीनिक ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी। बाद में देर रात आरोपित भानू को दबोच लिया गया। आरोपी ने बताया कि उसका अपने पिता से अक्सर झगड़ा होता था। शुक्रवार को झगड़े के दौरान वह पिता को पार्क में ले गया। वहां पहले पिता को बुरी तरह पीटा। बाद में उनके सिर, छाती और चेहरे पर पत्थर से वार किया। विनोद ने घायल होने के बाद अपनी बहन को काल कर सारी बात बता दी। इसके बाद उनकी मौत हो गई।

एयर इंडिया विमान के केबिन में जलने की गंध, चेन्नई जा रहा विमान मुंबई में उतरा

मुंबई (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया के विमानों में परेशानियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें मुंबई से चेन्नई जा रहे एयर इंडिया के विमान AI639 को केबिन में जलने की गंध आने के बाद मुंबई हवाईअड्डे पर तत्काल इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। घटना शुक्रवार को हुई और एयर इंडिया ने कल इस घटना की पुष्टि की। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एहतियात के तौर पर विमान को वापस मुंबई ले आया। विमान के केबिन में जलने की गंध आने के बाद विमान को मुंबई हवाईअड्डे पर उतारा गया। विमान मुंबई में सुरक्षित उतर भी गया। इसके बाद यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कर्मचारियों ने यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास किया कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इसी तरह, शुक्रवार को एयर इंडिया के एक अन्य विमान को गैर-विशिष्ट सुरक्षा अलर्ट मिला। हालांकि, सभी सुरक्षा मापदंडों की पुष्टि करने के बाद विमान को अपनी उड़ान जारी रखने की अनुमति दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुनिया का करोड़पति भिखारी

मुंबई (एजेंसी)। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुनिया का ऐसा अनोखा भिखारी है। जो लगभग 7.5 करोड रुपए की संपत्ति का मालिक है। 40 साल से वह भीख मांगने का धंधा कर रहा है। इसकी संपत्ति मुंबई में लगभग 7.5 करोड रुपए की है। यह अमीर भिखारी भरत जैन के नाम से जाना जाता है। जैन समुदाय के लोग कभी भीख नहीं मांगते है। यह जैन भीख मांगने का धंधा करता है। इसने पिछले 40 वर्षों में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। मुंबई के दो फ्लैट में इसका परिवार रहता है। जिनकी कीमत 1.4 करोड रुपए है। ठाणे के एक बहुत बडे कामर्शियल स्पेस का मालिक है। किराए के माध्यम से हजारों रुपए महीने की आय है। हजारों रुपए रोज यह भीख मे कमाता है। इसके बच्चे मुंबई के महंगे कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। भीख का धंधा होने के कारण इसका कोई खर्च नहीं है। भीख की कमाई को जोड़ जोड़कर यह करोड़पति भिखारी बन गया।

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप में टक्कर, 3 की मौत, 17 घायल

कपूरथला (एजेंसी)। पंजाब के कपूरथला जिले के जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर गुडाणा पुल के पास एक कार और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान पिकअप का चालक कल्याण सिंह (60) होशियारपुर व उसकी पत्नी प्रवीण कुमारी के अलावा संजना पुत्री पवनजीत वासी बिरड़ों तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आर्टिगा कार पुल से नीचे गिर गई जिससे कार में सवार 7 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताला पहुंचाया। एसएसआई ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे कार जालंधर से अमृतसर की तरफ जा रही थी। जब वह गांव गुडाना पुल के नजदीक पहुंची तो सामने से आ रहे महिंद्रा पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप में बैठी दो सवारियों की मौत हो गई और करीब 14 लोग घायल हो गए हैं। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि कार को भीम पुत्र धर्मपाल वासी करनाल हरियाणा चला रहा था। पिकअप व आर्टिगा कार में सवार सभी लोग ब्यास जा रहे थे। कार में चालक समेत सात सवारियां थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है। आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नहीं मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं। सारी जानकारी भरने के बाद सबमिट बटन दबाएं। 7 से 10 दिन में आपका पैसा बैंक अकाउंट में वापस आ जाएगा।

बेटी ने लगाए मां पर सेक्स ट्रेनिंग देने के आरोप, पुलिस ने महिला को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपनी ही मां पर आरोप लगाया है। छात्रा का आरोप है कि उसकी मां, उसे सेक्स करने की ट्रेनिंग देती है। छात्रा के मुताबिक मां कहती हैं कि यह ट्रेनिंग शादी के बाद पति के साथ संबंध बनाने में काम आएगी। हालांकि महिला अपने बेटी के इन आरोपों से इनकार कर रही। अब पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है।

महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता: पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में 25 जून को एक छात्रा से हुई गैंगरेप को राज्य प्रायोजित अपराध बताते हुए कहा कि अब सिर्फ सफाई नहीं, ममता बनर्जी को माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ संबित पात्रा ने शनिवार को केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ने कहा कि मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा टीएमसी स्टूडेंट विंग से जुड़ा, पूर्व सेक्रेटरी और पार्टी के नेताओं के करीबी है। पीड़िता की लिखित शिकायत में बलात्कार, ब्लैकमेल, धमकी और मेडिकल सहायता से इनकार तक भयावह विवरण सामने आए हैं। इस मामले में गार्ड की चुप्पी और कॉलेज यूनियन की भूमिका ने मामले को और गंभीर बना दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो जल्दी ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। साथ ही, डॉ. पात्रा ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर इंदिरा गांधी के संविधान बदलने की मंशा उजागर करते हुए कांग्रेस के लोकतंत्र के रक्षक होने के झूठे दावों को उजागर किया। डॉ. पात्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की पूरी जानकारी ली और तमाम तथ्यों को देखने के बाद साफ कहा कि यह एक क्रूरता की हद पार करने वाला कृत्य है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को शामिल किया गया है। यह जांच समिति जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसने हम सबको भीतर तक झकझोर दिया है। यह सिर्फ जवाब मांगने का वक्त नहीं है, अब ममता बनर्जी से माफी और इस्तीफा दोनों की मांग हो रही है। इस देश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में एक जघन्य गैंगरेप की घटना घटी। लगभग 24-25 वर्षीय एक छात्रा के साथ जिस प्रकार से सामूहिक दुष्कर्म हुआ, वह बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। इस घटना को लेकर आज पूरे भारतवर्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है।

ब्रह्मपुत्र का बढ़ा जलस्तर, कई बीघा जमीन पानी में डूबी, खाना-पानी बना चुनौती

गुवाहाटी। असम में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन पर असर पड़ा है, जिससे नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो चुकी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि कई बीघा खेती की जमीन पानी में डूब गई है, जिससे न केवल उनकी उगाई गई सब्जियों और फसलों को नुकसान हुआ है, बल्कि भोजन-पानी की व्यवस्था भी चुनौती बन गई है।

जानकारी के मुताबिक डिब्रूगढ़, जोरहाट, माजुली और कामरूप जिलों के पानीखेती, राजाबारी इलाकों में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी घुसने के कारण सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूब गई है। लोगों के मुताबिक ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर 3 से 4 दिनों से जिस तरह बढ़ रहा है, अगर ऐसा ही रहा तो उससे उनका गांव भी जलमग्न हो जाएगा। एक स्थानीय शख्स ने बताया कि यहां पिछले दो दिन में ही चार फीट तक पानी भर गया है। यह खेती का क्षेत्र है। करीब 500 बीघा क्षेत्र में पानी भरा है, जिससे सब्जियां और धान की फसलें बर्बाद हो गई। स्थिति बहुत खराब है। अगर पानी ज्यादा भरा तो हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां रहने की समस्या भी बनी हुई है। साथ ही भोजन की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण है। पानी ज्यादा भरने से बिजली काट दी जाती है। पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। इसके लिए हमें बाहर से नाव के जरिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। एक और स्थानीय शख्स ने बताया कि हम लोग केवल मछली मारकर ही अपने लिए भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं।

उत्तराखंड में बारिश से हुई तबाही के चलते रोकना पड़ी चारधाम यात्रा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खन को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और बारिश के अलर्ट को देखते हुए लिया गया है। बता दें कि अलग-अलग जिलों में पहाड़ी इलाकों में बारिश के कारण तबाही आई हुई है। कहीं सड़कों पर मलबे गिर रहे हैं, तो कहीं बड़े-बड़े बोल्डर। ऐसे में हाईवे बंद हो गए हैं। जिसके चलते हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया है। इसी अलर्ट को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात बरता है।

चमोली में चार धाम यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। बद्रीनाथ, पांडुकेश्वर, चमोली, जोशीमठ ,कर्णप्रयाग में सभी यात्री रोके गये हैं। पीपलकोटी में भी कुछ तीर्थयात्री रोके गए हैं। लगातार हो रही है बारिश के बाद यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। तीर्थ यात्रियों के जोशीमठ से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। लैंडस्लाइड की वजह से जगह-जगह यात्री फंस रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने जानकारी दी है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा मौसम पूर्वानुमान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए रोका गया है। जनपद में तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों में रुकवाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में तीर्थयात्रियों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। ऋषिकेश में गंगा वार्निंग लेबल से 65 सेंटीमीटर नीचे बह रही हैं। प्रमुख घाटों तक गंगा जी का पानी पहुंच गया है। प्रमुख गंगा घाटों के प्लेटफॉर्म जल में डूबने लगे हैं, जिससे मैदानी इलाकों में गंगा बढ़ा जल मुसीबत बढ़ा सकता है। वहीं देर रात से हो रही भारी बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जिले कई जगह भारी नुकसान हुआ है। जखोली के बांगर क्षेत्र में बारिश से जमकर तबाही हुई है। बांगर पट्टी की आवाजाही वाले मुख्य मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर पोंठी और मुन्याघर के बीच में स्थित मोटरपुल बह गया है। पूरी पट्टी की आवाजाही बंद हो गयी है और लोग घरों में कैद हो गये हैं। इसके अलावा क्षेत्र के जखवाड़ी तल्ली थापला में भी नुकसान हुआ है।

अगर हिंदी पढ़ानी ही है तो... 5वीं कक्षा से पढ़ाएं: अजीत पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहाकि राज्य विधानमंडल के मॉनसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। बारामती में संवाददाताओं से बात करते हुए राकांपा अध्यक्ष ने अपने विचार को दोहराया कि अगर पढ़ानी ही है तो हिंदी पांचवीं कक्षा से पढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहाकि हमारा कभी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को (स्कूल में) शुरू से ही थोपा जाना चाहिए। हिंदी सीखने की कोई बाध्यता नहीं है। इस बीच, अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का विरोध किया।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने पिछले हफ्ते एक संशोधित आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद इस पर विवाद पैदा हो गया। सरकार ने कहाकि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी तथापि उसने हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा का अध्ययन करने के लिए स्कूल में प्रत्येक कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति अनिवार्य कर दी।

विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के आदेश की आलोचना की है। इस आदेश के अनुसार मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिंदी सामान्य रूप से तीसरी भाषा होगी। उपमुख्यमंत्री पवार ने कहाकि हिंदी की कोई बाध्यता नहीं है। हमारा मानना है कि अपने-अपने राज्य में सभी को अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए। हमने कहा है कि पांचवीं कक्षा से हिंदी पढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वालों को मराठी सीखनी चाहिए, क्योंकि यह एक अनिवार्य विषय है। लोगों को पांचवीं कक्षा से (वैकल्पिक भाषा के बारे में) निर्णय लेना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि छात्रों को मराठी सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो एक बहुत ही समृद्ध भाषा है। उन्हें कम उम्र में ही मराठी में पारंगत होना चाहिए और

उन पर किसी अन्य भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। अगर इसे अनिवार्य बनाना ही है, तो इसे पांचवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाया जाना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि विधानसभा सत्र परसों शुरू होगा। हम कल (मंत्रिमंडल बैठक में) इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। हमारा कभी भी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को शुरू से ही थोपा जाना चाहिए।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक-युवती का शव, आईडी और सिम कार्ड बरामद

-जांच एजेंसियां अलर्ट, जैसलमेर पुलिस कर रही हर पहलू की जांच

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। मौके से पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी मिला है। इसकी पुष्टि जिले के एसपी ने की। एसपी के मुताबिक ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले। मृतकों में एक 18 साल का युवक और एक 15 साल की नाबालिग लड़की हैं। शवों की हालत से लगता है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में मिले हैं। आईडी कार्ड के मुताबिक युवक का नाम रवि कुमार है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसलमेर एसपी ने बताया कि मामला संवेदनशील है और हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के गांवों में भी पूछताछ जारी है। शुरुआती जांच में शवों के पास कोई हथियार या जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पाकिस्तानी सिम कार्ड और आईडी कार्ड मिलने से कई सवाल खड़े हो हैं। क्या यह सीमा पार प्रेम प्रसंग का मामला है या घुसपैठ की कोशिश या फिर कोई साजिश? हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि वे दोनों भारतीय सीमा में क्या करने आए थे। फिलहाल मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तनोट पुलिस, जैसलमेर पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से जांच कर रही हैं। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं।

संविधान बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश है: सैलजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से बार-बार भारतीय संविधान को बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश का हिस्सा है। यह एक सुव्यवस्थित एजेंडा है, जिसका उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित हमारे संविधान की आत्मा पर सीधा आघात करना है।

बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा को संविधान असहज करता है क्योंकि यह संविधान समता, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गारंटी देता है। यही संविधान सदियों से वंचित समाजों को अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता आया है। अब उन्हीं अधिकारों को छीनने की कोशिश की जा रही है। कभी आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सार्वजनिक रूप से संविधान को बदलने की बात करते हैं, तो कभी भाजपा सरकार के मंत्री ऐसे बयानों और नीतियों को बढ़ावा देते हैं जो सीधे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की

आत्मा है। यह संविधान ही है जिसने भारत को विविधता में एकता के सूत्र में पिरोया, हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर दिए। इसे कमजोर करने या बदलने की किसी भी कोशिश को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सांसद सैलजा ने कहा कि वे स्पष्ट करना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी ऐसे किसी भी विचार, नीति या प्रयास का डटकर विरोध करेगी जो संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध हो। बाबा साहेब आंबेडकर ने जिस संविधान का निर्माण किया, वह करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के संघर्ष का परिणाम है। उस पर हमला करना दरअसल इन सभी वर्गों की आवाज को दबाने की कोशिश है। हम भाजपा और आरएसएस के इस संविधान विरोधी एजेंडे को देश के हर कोने में बेनकाब करेंगे। हम जनता को जागरूक करेंगे, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए यह समय एकजुट होने का है।

ओवैसी बोले- बिहार में एनडीए को रोकना है तो एकजुट हो जाओ

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की कवायद में जुटी है। पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं के साथ उनकी बातचीत चल रही है। हालांकि महागठबंधन को लीड कर रहे तेजस्वी यादव ने एक इंटरव्यू में कहा था कि इस मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इस बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार में इंडिया अलायंस को खुला ऑफर दिया है। उन्होने कहा कि अगर महागठबंधन बिहार में एनडीए की सत्ता में वापसी को रोकना चाहता है, तो हम साथ चलने को तैयार हैं। लेकिन फैसला महागठबंधन के सहयोगी दलों को लेना है। अगर वो तैयार नहीं होते हैं। तो हमारी पार्टी सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि अगर वो गठबंधन को तैयार नहीं होते हैं, तो हम सीमांचल और सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेंगे। मैं हर जगह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। आने

वाले समय का इंतजार करें। सीटों की सटीक संख्या की घोषणा करना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि बहादुरगंज और ढाका की सीट के प्रत्याशियों का ऐलान कर चुका हूं। ओवैसी ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के कुछ नेताओं से बात की है, और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम नहीं चाहते कि बिहार में भाजपा या एनडीए की सत्ता में वापसी हो। अब यह उन राजनीतिक दलों पर निर्भर है, जो एनडीए को बिहार में सत्ता में वापसी से रोकना चाहते हैं। 5 साल पहले, मैंने व्यक्तिगत रूप से भी इसकी कोशिश की थी। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। इस बार भी हमारे प्रदेश अध्यक्ष कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह उन पर निर्भर है। इससे पहले ओवैसी 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। बता दें 2020 में एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें से पांच सीटें जीती थीं। हालांकि बाद में एआईएमआईएम के 4 विधायक राजद में चले गए थे। और अब सिर्फ एक मात्र विधायक अख्तरूल ईमान हैं। पार्टी को इन 20 सीटों पर डाले गए वोटों का 14.28 प्रतिशत वोट मिला था। एआईएमआईएम ने जो पांच सीटें जीती थीं, वो सभी पूर्वी बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में आती हैं।

नाइजीरियन गिरोह का मुंबई से नेपाल तक फैला है नशे का कारोबार

-नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने अब तक 400 से ज्यादा तस्करों को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम(एजेंसी)। दिल्ली में नाइजीरियन गिरोह के तार मुंबई और नेपाल तक फैले हैं। नाइजीरियन गिरोह कोकेन और एमडीएमए जैसे मादक पदार्थों को बाजार में तस्करों के जरिए सप्लाई करता है। गुरुग्राम एंटी नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने बीते एक महीने में कई ऐसे तस्करों को दबोचा है, जो गिरोह के लिए मुंबई और नेपाल में भी काम कर रहे थे।

जानकारी के मुताबिक पिछले सप्ताह गुरुग्राम पुलिस ने दिल्ली से सात नाइजीरियन समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें एक नेपाली तस्कर गुरुग्राम में नाइजीरिया के नागरिक को मादक पदार्थ देने आया था। इससे पूछताछ के बाद गिरोह में शामिल एक महिला समेत आठ लोगों को पकड़ा गया था। यह गिरोह विदेश से डार्क वेब के जरिए कच्चा माल मंगवाता था और एनसीआर व अन्य राज्यों के साथ नेपाल में कोकेन की सप्लाई करता था। क्राइम सेल ने 24 जून को एक और नाइजीरियन को सेक्टर 57 हुडा मार्केट में एमडीएमए की सप्लाई करने के दौरान पकड़ा था। यह पहले मुंबई में नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करता था। वहां डेढ़ साल तक जेल में रहने के बाद यह दिल्ली के नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करने लगा। ताजा मामला मुंबई का है। यहां पिछले दिनों छह किलो कोकेन बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 53 करोड़ की थी। मुंबई में इसकी सप्लाई करने वाले दो लोग दुबई से पहले दिल्ली आए। यहां लोकल रूट का इस्तेमाल कर मुंबई पहुंचे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में इनकी मदद यहां के मादक पदार्थ गिरोह में शामिल कुछ लोगों द्वारा की गई। नारकोटिक्स सेल ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले कुछ गिरोह हिमाचल से सुल्फा व अन्य तरह का कच्चा माल भी मंगाते हैं।

नारकोटिक्स सेल ने बताया कि पकड़े गए कई तस्करों से पूछताछ में इनके द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी में डार्क वेब और सिग्नल एप के इस्तेमाल की जानकारी मिली है। पकड़े गए तस्कर एक-दूसरे को जानते भी नहीं है। इन्हें गिरोह में रखवाने वाला कोई तीसरा व्यक्ति होता है। इसलिए पूछताछ में इनसे चेन में शामिल अन्य ज्यादा लोगों के बारे में या गिरोह के सरगना की जानकारी नहीं मिल पाती। नारकोटिक्स सेल के अनुसार पिछले एक साल में नशा तस्करी करने के मामले में 400 से ज्यादा आरोपितों को पकड़ा जा

चुका है। इनमें 25 से ज्यादा नाइजीरियन शामिल हैं।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका : नोवाक जोकोविच

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं।

जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।'

जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, 'मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।' जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

- पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

गौतम गंभीर पर बढ़ा दबाव, टेस्ट क्रिकेट में नतीजे देने की चुनौती: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर जब से भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बने है तब से टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। उनके कोच बनने के बाद टीम में कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि गंभीर बार-बार यह कहते रहे हैं कि टीम का चयन वे नहीं करते, लेकिन सभी जानते हैं कि चयन समिति कप्तान और कोच से बातचीत के बाद ही टीम को अंतिम रुप देने का काम करती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हाल के वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसी को लेकर उनके पुराने साथी और पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी खुलकर कहा है कि अब गंभीर को नतीजे देने होंगे।

हाल ही में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेडिंग्ले टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने 371 रन का बड़ा लक्ष्य देने के बावजूद पांच विकेट से हार का सामना किया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब गंभीर के पास ज्यादा समय नहीं है और उन्हें जल्द अच्छे नतीजे देने होंगे वरना उन पर दबाव और बढ़ेगा। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि शुभमन गिल को फिलहाल दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उन्होंने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उन्हें अभी वक्त मिलेगा। लेकिन कोच के तौर पर गंभीर से सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए। उनके मुताबिक 'भारतीय क्रिकेट में यह सिद्धांत है कि अच्छा होगा तो तारीफ होगी और खराब होगा तो आलोचना भी होगी। मैं गिल के साथ अभी धैर्य रखूंगा, लेकिन गंभीर से सवाल जरूर होंगे।'

आकाश चोपड़ा ने गंभीर के टेस्ट रिकॉर्ड की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गंभीर की कोचिंग में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच जीता है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट हार भी झेली है। उन्होंने साफ कहा कि गंभीर लगातार हार रहे हैं और दबाव बढ़ता जा रहा है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने गंभीर की सभी मांगें मानी हैं। 'जो भी खिलाड़ी मांगा गया, वो दिया गया। चयनकर्ता वही दे रहे हैं जो टीम मैनेजमेंट चाहता है। ऐसे में अब कोई बहाना नहीं है। आपको नतीजे देने होंगे। सफेद गेंद क्रिकेट में प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन टेस्ट में सवाल उठेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज बहुत अहम है। अगर यह सीरीज खराब गई तो सवाल जरूर खड़े होंगे।'

छक्का लगाने ही दिल का दौर पड़ने से खिलाड़ी की मौत

चंडीगढ़। खेल के मैदान में खिलाड़ियों की मौत के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब पंजाब के फिरोजपुर का एक मामला सामने आया है। यहां एक खिलाड़ी की बल्लेबाजी के दौरान ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार छक्का लगाने के तत्काल बाद खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा जिस कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। ये एक निजी स्कूल के मैदान में चल रहा मैच था। जिसमें बल्लेबाज हरजीत सिंह की मौत हो गयी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक गेंद पर छक्का लगाता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी घबराहट होने के कारण क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। इस खिलाड़ी के पिच पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर भी दी जाती है पर उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना से अन्य खिलाड़ी भी हैरान होने के साथ ही सदमें में हैं।

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई होप के आउट होने पर भी सवाल उठे। सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया। सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं। मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं। सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है।इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगा था। पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते है : पैट कमिंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं।' स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने।

जोश इंग्लिश भी खास योगदान नहीं दे सके और कुल 17 रन ही बना पाए। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की। कमिंस ने यह भी माना कि बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है और स्मिथ की वापसी से टीम को संतुलन मिलेगा। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन बल्लेबाज दबाव नहीं झेल सके और पूरी टीम दोनों पारियों में लड़खड़ा गई। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली और अब उनकी नजरें दूसरे टेस्ट में क्लीन स्वीप पर हैं।

गेंदबाजी कोच के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई जैसे फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम। यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते दिखे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं। कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है। इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं। इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है। इसमें कोच अर्शदीप को जमीन पर गिरा कर उनको कोहने से मारने का नाटक करते दिख रहे हैं। कोच मॉर्केल जब अर्शदीप के साथ मुकाबला करते हैं तो उनको बचाने के लिए आकाशदीप आते हैं और दोनों मिलकर कोच को जमीन पर लिटा देते हैं और फिर तीनों के बीच मजाकिया लड़ाई होती है। इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ी बने

-61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगाया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्वेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफने 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और .उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

चैड गेबल को कंधे पर गंभीर चोट, जुलाई में होगी सर्जरी, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को बड़ा झटका

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार चैड गेबल को जुलाई के पहले हफ्ते में सर्जरी करानी पड़ेगी। मंडे नाइट रॉ के ताजा एपिसोड में पेंटा के साथ मुकाबले में उन्हें कंधे में गंभीर चोट लगी। मैच के दौरान पेंटा ने गेबल पर आर्मबार सबमिशन मूव लगाया, जिससे गेबल दर्द से चिल्लाते दिखे। बताया जा रहा है कि इस चोटिल एंगल को जानबूझकर बुना गया ताकि गेबल को पहले से लगी चोट की वजह से टीवी से हटाया जा सके। दरअसल, मंडे नाइट रॉ में ब्रॉन ब्रेकर से हारने के बाद गेबल ने पेंटा को भड़काते हुए उसका मजाक उड़ाया और मास्क उतारने की धमकी दी। इस पर पेंटा ने जवाबी हमला किया और आर्मबार लगा दिया, जिससे गेबल का कंधा बुरी तरह मुड़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक गेबल को पहले से ही कंधे में चोट थी और इसी कारण डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें स्टोरीलाइन में भी चोटिल दिखाकर ब्रेक दिलाने का प्लान बनाया। दिलचस्प बात यह है कि एल ग्रांडे अमेरिकानो नाम के एक और रेसलर को भी ठीक उसी तरह की चोट लगी। इसी वजह से कुछ फैंस का अंदाजा है कि गेबल ही एल ग्रांडे अमेरिकानो के गियर में डबल रोल निभा रहे थे, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चैड गेबल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे हुनरमंद टेक्निकल रेसलर्स में गिने जाते हैं। उनके चोटिल होकर लंबे समय तक बाहर रहने से रॉ ब्रांड और टैग टीम डिवीजन को बड़ा झटका लगेगा। उन्हें सर्जरी के बाद रिकवरी में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं। फैंस और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रिंग में वापसी करेंगे। चोटों का यह दौर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हाल के हफ्तों में कई स्टार्स चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। अब सबकी नजर गेबल की सर्जरी और उनकी रिकवरी टाइमलाइन पर रहेगी।

भारत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर, इस गेंदबाज को अगले मैच में खिलाना चाहिए: अजहरुद्दीन

हैदराबाद (एजेंसी)। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में और अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। लीड्स में पहले टेस्ट में जिसे भारत ने 5 विकेट से गंवा दिया था, मेहमान टीम विकेट के लिए बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर थी और रनों के प्रवाह को कम कर रही थी।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की आवश्यकता है, और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।' भारत 2 जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का सामना करेगा और पिच, जिसके सूखी होने की उम्मीद है, कुलदीप को कुछ सहायता प्रदान कर सकती है।

भारत ने कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से पहली पारी में 471 रन बनाए। केएल राहुल और पंत के शतकों की बदौलत उन्होंने दूसरी पारी में 364 रन बनाए, लेकिन दोनों ही पारियों में मध्यक्रम और अंतिम क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मेहमान टीम मजबूत स्कोर या लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। अजहरुद्दीन ने टीम को लीड्स की हार से उबारने के लिए सही टीम संयोजन बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हम बल्लेबाजी के खराब प्रदर्शन के कारण हारे, लेकिन अब उन्हें सही खिलाड़ी चुनने होंगे और गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए।'

अजहरुद्दीन ने नए टेस्ट कप्तान गिल का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच है, आप कप्तानी के बारे में बात नहीं कर सकते। कप्तानी के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।' अजहरुद्दीन ने कहा, 'हमें उन्हें उचित मौका देना चाहिए और उन्होंने अभी-अभी कमान संभाली है। इसलिए आपको उन्हें काफी समय और समर्थन देना चाहिए। हम सिर्फ खिलाड़ियों की शिकायत और आलोचना नहीं कर सकते।'

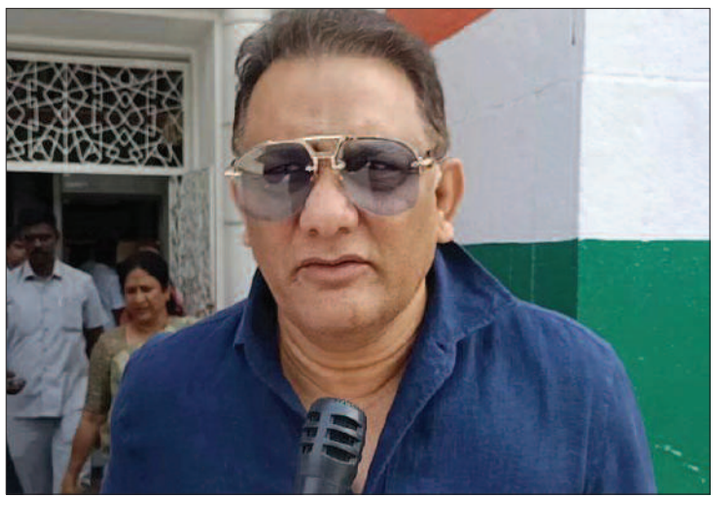

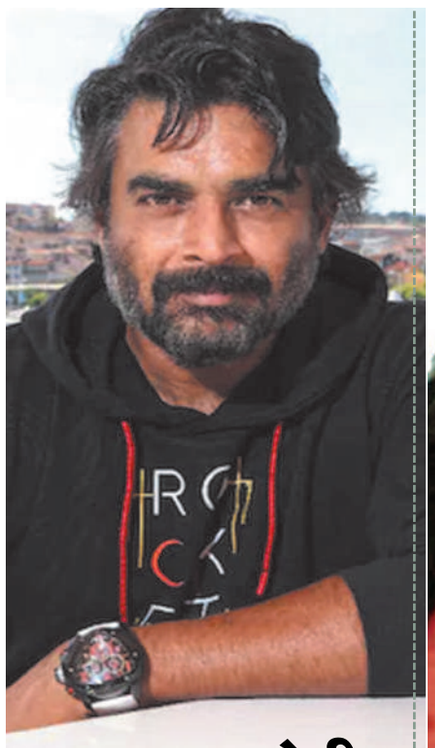

22 साल छोटी फातिमा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे माधवन

बुधवार को आर माधवन और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 11 जुलाई को स्ट्रीम होगी। फिल्म में आर माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी काफी हटकर नजर आ रही है। प्यार और उसके खूबसूरत अहसास फिल्म के ट्रेलर में नजर आते हैं। मगर आर माधवन और फातिमा सना शेख के किरदारों का प्यार अंजाम तक नहीं पहुंच पता है। आखिर ऐसा क्यों होता है? जानिए।

अलग तरह की लव स्टोरी दिखी

फिल्म के ट्रेलर में नजर आता है कि 42 साल के श्रीरेणु (आर माधवन) की अब तक शादी नहीं हुई। वह एक संस्कृत टीचर हैं। अचानक एक 32 साल की मधु (फातिमा सना शेख) का रिश्ता श्रीरेणु के लिए आता है। लड़की भी टीचर है। दोनों जब मिलते हैं तो इनके बीच प्यार का रिश्ता पनपता है। दस साल का फर्क भी मायने नहीं रखता है। श्रीरेणु ओल्ड स्कूल रोमांस में विश्वास करता है। वहीं मधु काफी मॉर्डन लड़की है। इनकी शादी भी तय होती है, मगर एक कारण से रिश्ता टूट जाता है।

प्यार पर हावी पितृसत्ता वाली सोच

शादी टूटने का कारण बस इतना है कि श्रीरेणु और उसके घर के पुरुष की सोच पितृसत्ता से घिरी है। महिलाओं को एक सीमा में रहकर कोई काम करना चाहिए, ऐसा वे लोग सोचते हैं। मगर मधु को यह सोच बर्दाश्त नहीं है। इसी कारण से श्रीरेणु और मधु की राहें शादी से पहले ही अलग हो जाती हैं।

मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है

लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम अभिनेता रोहित पुरोहित ने टेलीविजन करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। रोहित ने बताया कि जब उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, तब वह नए थे, लेकिन समय के साथ वह लगातार सीखते गए और खुद को बेहतर बनाया। अभिनेता का मानना है कि उन्होंने अपने हर एक किरदार से कुछ न कुछ सीखा है। रोहित ने बताया, जब मैंने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, तब मुझे कुछ नहीं पता था। मैं काम में बहुत कच्चा था। अब मैं अपने काम में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करता हूं। मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है और लगातार सीख रहा हूं। यह बड़ी उपलब्धि की तरह है। रोहित ने जानकारी दी कि उन्होंने कभी किसी एक्टिंग स्कूल में ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन उनके साथ काम करने वाले प्रतिभाशाली निर्देशकों और को-एक्टर्स ने बहुत कुछ सिखाया। करियर में अब तक 20 से ज्यादा शो कर चुके रोहित का मानना है कि हर किरदार में पूरी मेहनत और दिल लगाना जरूरी है। काम को दिल से करना चाहिए। उन्होंने बताया, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि छोटा हो या बड़ा सीन, हर पल को खास बनाना चाहिए। हर शॉट में सच्चाई लानी पड़ती है। आप सिर्फ किरदार नहीं निभाते, बल्कि हर पल को जीते हैं। अपने किरदार को मजबूत करने के लिए दिल से काम करना जरूरी है।

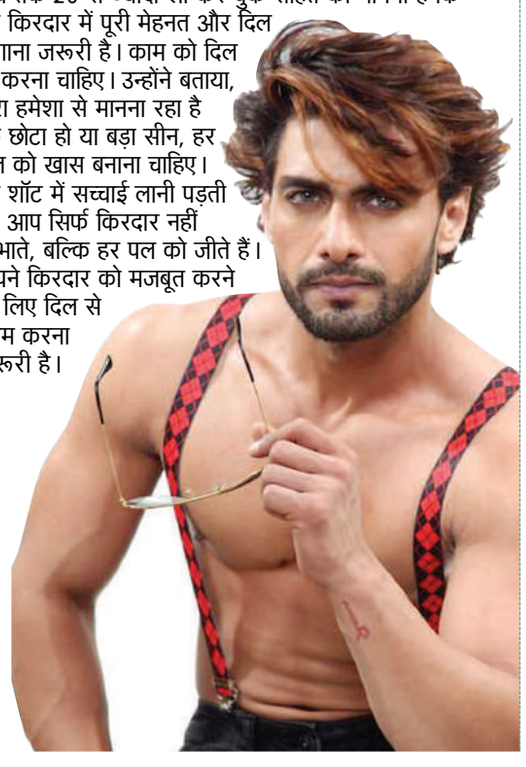

एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा स्टारर फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' रिलीज को तैयार है, जिसे लेकर कोंकणा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि एक्टिंग से पहले कलाकार को शांत और न्यूट्रल रहना चाहिए। कोंकणा ने कहा कि काम के दौरान बाहरी शोर और निजी भावनाओं से दूरी बनाना एक्टिंग के लिए बेहद जरूरी है। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। कोंकणा ने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा और वह अक्सर उनके साथ सीन, किरदार और कहानी को लेकर सेट पर चर्चा करती थीं। उन्होंने बताया, हमने किरदारों और उनकी दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। सेट पर सब कुछ मूड पर निर्भर करता है। कोंकणा ने बताया कि सेट का माहौल निर्देशक से शुरू होता है, जो फिर विभाग प्रमुखों (एचओडी) और एक्टर्स तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, अनुराग के सेट पर होने से निगेटिव, स्ट्रेस या आलोचना का माहौल नहीं बनता। एक एक्टर को न्यूट्रल रहना पड़ता है, क्योंकि आपको किसी और किरदार को जीना होता है। अगर आप तनाव या नकारात्मक भावनाओं से भरे हैं, तो यह आपकी एक्टिंग में भी दिखाई देता है। कोंकणा ने इस बात पर जोर दिया कि अभिनय से पहले अपनी निजी भावनाओं को पीछे छोड़ना जरूरी है, ताकि किरदार को पूरी तरह जिया जा सके। मेट्रो इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। लाइफ इन एज मेट्रो में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, मेट्रो इन दिनों की बात करें तो इसमें कोंकणा सेन शर्मा के साथ पंकज त्रिपाठी के अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पर्दे पर 'मां' का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण

अभिनेत्री काजोल अपनी अपकमिंग हॉरर फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। हॉरर फिल्म में काजोल 'मां' के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करना और पर्दे पर मां के किरदार को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। बातचीत में काजोल ने बताया कि हर सीन में तनाव, चिंता और मां की भावनाओं को दिखाना था, जो आसान नहीं था। इसी वजह से यह किरदार उनके लिए खास और चुनौतीपूर्ण बन गया।

काजोल का मानना है कि वह पहले भी कई फिल्मों में मां का किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन मां में उनका किरदार अलग है। हॉरर फिल्म होने के कारण इसके हर सीन में एक खास तनाव और भावनात्मक गहराई की जरूरत थी। काजोल ने कहा, मुझे हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं पता था कि इस तरह की फिल्मों में पूरे समय एक खास भावनात्मक स्तर बनाए रखना पड़ता है। एक एक्टर के तौर पर आपको हर पल, हर शॉट में अलर्ट रहना पड़ता है। यह भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था। पूरे दिन उस तनाव को बनाए रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'मां' हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है।

माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि 'मां' वह पहला शब्द है जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते हैं बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। यह वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द टीम को इतना गहरा लगा कि इसे ही स्थाई टाइटल बनाने का फैसला लिया गया।

माय मेलबर्न पार्ट टू में साथ काम करेंगे राजकुमार हिरानी और शूजित सरकार

एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न के निर्माता इसका अगला पार्ट लेकर आ रहे हैं। इसका निर्देशन भारत के मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी, अंजलि मेनन, शूजित सरकार और ओनिर करेंगे। यह चारों निर्देशक माय मेलबर्न के लिए अलग-अलग कहानियां बनाएंगे। हर कहानी में मेलबर्न शहर की संस्कृति, लोग और अनुभवों को दिखाया जाएगा। माय मेलबर्न फिल्म माइंड ब्लोइंग फिल्म्स कंपनी बना रही है और इसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) पेश कर रहा है। इस फिल्म का मकसद भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों की सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना है। राजकुमार हिरानी ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह प्रोजेक्ट फिल्म के जरिए अलग-अलग तरह के इंसानी अनुभवों को दिखाता है और साथ ही दो विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है। माय मेलबर्न मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका देती है जो दिल से जुड़ी हुई है। इसमें संस्कृति की झलक मिलती है। शूजित सरकार ने कहा, कहानियां सुनाने की कोई सीमा नहीं होती। माय मेलबर्न एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो यह साबित करता है कि कहानियां चाहे किसी भी जगह से जुड़ी होती हैं, पूरी दुनिया के लोगों के दिलों को छू सकती हैं। मैं इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बातचीत और समझ को बढ़ावा देती है।

माय मेलबर्न फिल्म मार्च 2025 में भारत और ऑस्ट्रेलिया में रिलीज हुई थी। इसमें चार जाने-माने डायरेक्टर्स ने काम किया, जिनमें रीमा दास, ओनिर, इम्तियाज अली और कबीर खान शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर अलग-अलग विषयों, पहचान, लिंग, नस्ल/जाति, सेक्सुअलिटी और विकलांगता जैसे मुद्दों पर कहानियां बनाईं। अंजलि मेनन ने कहा, माय मेलबर्न का विषय और इसका मकसद मेरी पसंदीदा कहानियों के जैसा है। ऐसी कहानियां जो लोगों में समझ और भावना जगाती हैं और उन्हें एक-दूसरे के करीब लाती हैं। मैं इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। डायरेक्टर ओनिर, जो पहले भी माय मेलबर्न में काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा, माय मेलबर्न के दूसरे पार्ट में वापस आना ऐसा है जैसे किसी अधूरी कहानी को फिर से शुरू करना। नई कहानियां और नए नजरिए के साथ काम करने का मौका मिलना, और उस सफर को जारी रखना जिसमें मैं दिल से यकीन करता हूं, मेरे लिए बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है।

सितारे जमीन पर से लेकर चीनी कम तक, अमिताभ से लेकर आमिर तक ने निभाए बुजुर्ग किरदार

फिल्म सितारे जमीन पर इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म में एक कोच की कहानी दिखाई गई है, जो दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। हालांकि कोच बच्चों को देखकर भड़क जाता है लेकिन उसे करतार पाजी नाम का किरदार समझाता है। इस किरदार को गुरपाल सिंह ने बहुत दमदार तरीके से निभाया है। ऐसे में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिसमें उम्र दराज लोगों ने दमदार किरदार निभाया है।

चीनी कम

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म चीनी कम में एक ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है, जिसे 64 साल की उम्र में इश्क हो जाता है। कई परेशानियां उठाने के बाद दोनों शादी कर लेते हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और तब्बू ने बेहतरीन अदाकारी की है।

आंखों देखी

आंखों देखी फिल्म में एक ऐसे आम इंसान की कहानी दिखाई गई है जिसकी बेटी अपने पसंदीदा लड़के से शादी करना चाहती है। हालांकि उम्र दराज शख्स अपनी बेटी की शादी कहीं और करना चाहता है। जब उम्र दराज शख्स लड़के से मिलता है तो उसकी राय बदल जाती है। फिर वह आंखों देखी चीजों पर भरोसा करने लगता है। फिल्म में संजय मिश्रा ने उम्र दराज शख्स का किरदार निभाया है।

निशब्द

साल 2007 में फिल्म निशब्द रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक उम्र दराज आदमी को अपनी बेटी की सहेली से इश्क हो जाता है। लड़की भी उम्र दराज शख्स से प्यार करने लगती है। इस रिश्ते की वजह से उम्र दराज शख्स की पत्नी और बेटी से रिश्ता खराब हो जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बहुत अच्छे तरीके से निभाया है।

बुड्ढा होगा तेरा बाप

साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म बुड्ढा होगा तेरा बाप में ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है जिसे लोग बेबस और कमजोर समझते हैं लेकिन वह उम्र दराज शख्स अपने आपको उम्र दराज कहलाना बिलकुल पसंद नहीं करता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स को एक्शन करते हुए दिखाया गया है। इसमें अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बखूबी निभाया है।

विजय 69

साल 2024 में रिलीज हुई इस फिल्म में एक पूर्व तैराकी प्रशिक्षक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी तब दिलचस्प हो जाती है जब एक उम्र दराज व्यक्ति अपनी पूर्व पत्नी के ट्रायथलॉन के सपने को पूरा करने की ठान लेता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स के जज्बे को दिखाया गया है। इस किरदार को अनुपम खेर ने निभाया है।

सैयारा पहले थी आशिकी 3 की कहानी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने बताया है कि उन्हें रोमांटिक फिल्मों से खास आशिकी है। उनकी आने वाली फिल्म सैयारा को पहले आशिकी 3 नाम दिया जाने वाला था, लेकिन बाद में कुछ बदलाव किया गया और अब यह सैयारा के नाम से रिलीज होने वाली है। मोहित ने कहा, हर किसी की लव स्टोरी अलग, खास और दिल को छूने वाली होती है। मोहित ने कहा, रोमांटिक फिल्मों से मेरी गहरी आशिकी है। मैं अपने करियर में प्यार जैसे जज्बात के हर पहलू को दिखाना चाहता हूं। मोहिन ने बताया कि उन्होंने पहले जो कहानी सोची थी, वह आशिकी 3 के लिए थी, लेकिन उस समय आशिकी 3 नहीं बन पाई। अब वही कहानी सैयारा बन गई है। मोहित ने कहा, सैयारा एक मजबूत लव स्टोरी है, जो बहुत कम उम्र में होने वाले प्यार को दिखाती है। यही बात इस फिल्म को खास और नया बनाती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।